CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-146
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 31 अगस्त 2024

आज का विचार

सफलता अनुभव से आती है और अनुभव हमेशा बुरे अनुभव से आता है ।

गर्ल्स हॉस्टल के टॉयलेट में लगा था खुफिया कैमरा, 300 फोटो-वीडियो लीक

हैदराबाद। आंध्रप्रदेश के कृष्णा जिले के इंजीनियरिंग कॉलेज की गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम (टॉयलेट) में हिडन कैमरा मिलने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कैमरे के जरिये कुछ वीडियो रिकॉर्ड करके उसे बेच दिए गए। कृष्णन जिले के गुडलावलेरु इंजीनियरिंग कॉलेज में यह घटना घटी है। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार शाम छात्राओं को हिडन कैमरे की जानकारी मिली। इसके बाद अफरातफरी मच गई। छात्राओं ने इस मामले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। छात्राओं ने इस मामले पर कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने जानकारी दी कि घटना के सिलसिले में ब्वॉयज हॉस्टल से एक सीनियर छात्र विजय कुमार को गिरफ्तार किया है। वो बीटेक के लास्ट ईयर का स्टूडेंट है। उसका लैपटॉप जब्त कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम से 300 से अधिक तस्वीरें और वीडियोज लीक हो गए थे और कुछ छात्राओं ने ये वीडियोज विजय से खरीदे थे।

एक हफ्ते पहले कॉलेज ने नहीं लिया एक्शन

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गुडलावलेरु कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग को इस बारे में एक हफ्ते पहले बताया गया था, लेकिन कॉलेज ने इस पर कोई एक्शन नहीं लिया। गुरुवार को छात्राओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शन की खबर मीडिया तक न पहुंचे, इसलिए मैनेजमेंट ने कॉलेज के गेट बंद कर दिए थे। हालांकि छात्राओं ने देर रात तक प्रदर्शन जारी रखा तो पुलिस को मामले की जानकारी मिली।

कैमरा छिपाने में लड़की ने की आरोपी की मदद

कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि गर्ल्स टॉयलेट में कैमरा छिपाने में कॉलेज की एक लड़की ने विजय की मदद की। पुलिस या कॉलेज प्रशासन ने यह नहीं बताया है कि वह लड़की कौन थी। हालांकि सोशल मीडिया पर विजय के साथ एक लड़की की तस्वीर वायरल है। दावा किया जा रहा है कि वह आरोपी की गर्लफ्रेंड है और कैमरा उसने ही छिपाया था।

मंत्री ने दिए जांच के आदेश

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि विजय ने पहले ओवायओ रूम में गर्लफ्रेंड का वीडियो बनाया। फिर अपने दोस्तों के साथ मिलकर उसे ब्लैकमेल कर हॉस्टल में कैमरा लगाने को कहा। घटना का पता चलने पर राज्य सरकार में मंत्री नारा लोकेश ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। बता दें कि कुछ दिनों पहले बेंगलुरु के एक थर्ड वेव कॉफी के वॉशरूम में कैमरा मिला था। आरोपी ने वॉशरूम में स्मार्टफोन छिपा रखा था। आरोपी ने फ्लाइट मोड में फोन छिपा रखा था। बाद में पता चला कि फोन एक कर्मचारी का है।

पतंजलि के दिव्य दंत मंजन में मछली का अर्क, हाईकोर्ट पहुंचा मामला

नई दिल्ली। योग गुरु रामदेव का पतंजलि एक बार फिर से विवादों में घिर गया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने पतंजलि के दिव्य दंत मंजन को शाकाहारी ब्रांड के रूप में पेश करने के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के अनुरोध संबंधी याचिका पर शुक्रवार को केंद्र से जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता के वकील ने दावा किया कि दंत चिकित्सा प्रोडक्ट को हरे रंग के डॉट के साथ बेचा जा रहा है, जो कि यह दर्शाता है कि यह एक शाकाहारी वस्तु है लेकिन इस दंत प्रोडक्ट में मछली का अर्क है, जो एक मांसाहारी है। जस्टिस संजीव नरूला ने वकील यतिन शर्मा की याचिका पर केंद्र, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के साथ-साथ पतंजलि, दिव्य फार्मेसी, योग गुरु रामदेव और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि कानून में किसी दवा को शाकाहारी या मांसाहारी घोषित करने का प्रावधान नहीं है, लेकिन दिव्य दंत मंजन की पैकेजिंग पर गलत तरीके से हरा डॉट अंकित है, जो औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत गलत ब्रांडिंग के रूप में आता है। मामले की अगली सुनवाई नवंबर में होगी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ताओं स्वज्निल चौधरी और प्रशांत गुप्ता ने कहा कि उत्पाद में समुद्र फेन (सीपिया ऑफिसिनेलिस) है, जो मछली के अर्क से प्राप्त होता है। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि यह बात उनके और उनके परिवार के लिए दुखद है, जो धार्मिक विश्वास और आस्था के कारण केवल शाकाहारी सामग्री/उत्पादों का उपभोग करते हैं।

देश की सबसे बड़ी स्टडी रिपोर्ट : खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करते एक तिहाई चिकित्सक, आईएमए ने गिनाएं आकड़े

हथियार रखने की जरूरत महसूस कर रहे डॉक्टर

नई दिल्ली। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन यानी आईएमए अपनी एक सर्वे रिपोर्ट जारी की है। एसोसिएशन ने बताया कि देश में 3,885 डॉक्टरों में से 35त्न से अधिक, जिनमें अधिकतर महिलाएं हैं, रात की शिफ्ट के दौरान अनसेफ व वेरी अनसेफ महसूस करती हैं। आईएमए बताया कि इतना असुरक्षित कि कुछ ने आत्मरक्षा के लिए हथियार रखने की जरूरत भी महसूस की। आईएमए ने कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ कथित रेप और मर्डर के मद्देनजर में रात की शिफ्ट में डॉक्टरों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का मूल्यांकन करने के लिए किए गए ऑनलाइन सर्वे किया जिसमें पाया कि 45 प्रतिशत डॉक्टरों के पास रात की शिफ्ट के दौरान ड्यूटी रूम ही नहीं था। आईएमए ने रिपोर्ट में दावा किया कि 3,885 डॉक्टरों के साथ यह इस विषय पर की गई भारत की सबसे बड़ी स्टडी रिपोर्ट है।

सर्वे में 22 से अधिक राज्यों के डॉक्टर- केरल राज्य आईएमए के रिसर्च सेल के अध्यक्ष डॉ. राजीव जयदेवन और उनकी टीम ने सर्वे किया, जिसमें 22 से अधिक राज्यों के डॉक्टर शामिल हुए, जिनमें से 85 प्रतिशत 35 वर्ष से कम आयु के थे, जबकि 61 प्रतिशत ट्रेनी या पोस्टग्रेजुएट ट्रेनी थे। इनमें से महिलाओं की संख्या 63 प्रतिशत थी। सर्वे में पता चला कि कई डॉक्टरों ने अनसेफ (24.1 प्रतिशत) या वेरी अनसेफ (11.4 प्रतिशत) महसूस करने की बात कही, जो कुल उत्तरदाताओं का एक तिहाई है। असुरक्षित महसूस करने वालों का अनुपात महिलाओं में अधिक था।

कई मुद्दों की वजह से चिंता- सर्वे में देखा गया कि 20-30 वर्ष की आयु के डॉक्टरों में सिक्योरिटी की भावना सबसे कम थी और इस ग्रुप में मुख्य रूप से इंटर्न और पोस्टग्रेजुएट शामिल हैं। रात की शिफ्ट के दौरान 45 प्रतिशत डॉक्टर्स के लिए ड्यूटी रूम उपलब्ध नहीं था। जिन लोगों के पास ड्यूटी रूम थे, उनमें सिक्योरिटी की चिंता अधिक थी। साथ ही ड्यूटी रूम अकसर भीड़, गोपनीयता की कमी और ताले न लगे होने के कारण अनसेफ होते थे, जिससे डॉक्टरों को वैकल्पिक जगह ढूंढनी पड़ती है और जहां ड्यूटी रूम होते हैं उनमें से एक तिहाई में अटैच बाथरूम नहीं होते। स्टडी में कहा गया है कि आधे से अधिक मामलों (53 प्रतिशत) में ड्यूटी रूम वार्ड/इमरजेंसी एरिया से बहुत दूर रहता है। वहीं, ड्यूटी रूमों में से लगभग एक तिहाई में अटैच बाथरूम नहीं है, जिसका अर्थ है कि डॉक्टरों को इन सुविधाओं का उपयोग करने के लिए देर रात को बाहर जाना पड़ता है।

डॉक्टरों ने दिए सुझाव- सुरक्षा बढ़ाने के लिए डॉक्टरों ने सुझाव दिए, जिनमें ट्रेनी सिक्योरिटी की संख्या बढ़ाना, सीसीटीवी कैमरे लगाना, अच्छी लाइट की व्यवस्था करना, केंद्रीय सुरक्षा अधिनियम (सीपीए) को लागू करना, दर्शकों की संख्या सीमित करना, अलार्म सिस्टम लगाना और ताले सहित सुरक्षित ड्यूटी रूम जैसी बुनियादी सुविधाएं देना शामिल हैं।

गूगल फॉर्म के माध्यम से सर्वे- डॉ. जयदेवन ने कहा कि यह ऑनलाइन सर्वे पूरे भारत में सरकारी और निजी दोनों डॉक्टरों को गूगल फॉर्म के माध्यम से भेजा गया था। जिस पर 24 घंटे के भीतर 3,885 प्रतिक्रियाएं मिलीं। स्टडी में कहा गया है कि देशभर के डॉक्टर, खास तौर पर महिलाएं, रात की शिफ्ट के दौरान असुरक्षित महसूस करती हैं। इससे यह भी पता चलता है कि स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में सुरक्षा कर्मियों और उपकरणों में सुधार की काफी गुंजाइश है। सुरक्षित, साफ और सुलभ ड्यूटी रूम, बाथरूम, भोजन और पीने के पानी को सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे में संशोधन आवश्यक है। इसमें कहा गया है कि रोगी देखभाल जगहों में पर्याप्त स्टाफिंग, प्रभावी ट्राइएजिंग और भीड़ कंट्रोल करना भी जरूरी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि डॉक्टर अपने काम बिना डरे हर रोगी पर ध्यान दे सकें। सर्वे में भाग लेने वाले डॉक्टरों ने कई अतिरिक्त मुद्दों पर जोर डाला।

कई कमियां आईं सामने- स्टडी में कहा गया है कि ट्रेंड सुरक्षा कर्मियों की पर्याप्त संख्या का अभाव, गलियारों में लाइट की कमी, सीसीटीवी कैमरों की कमी और रोगी देखभाल क्षेत्रों में बिना परमिशन के व्यक्तियों का बेरोकटोक आना-जाना सबसे अधिक बार की गई टिप्पणियों में से थे। कुछ डॉक्टरों ने आत्मरक्षा के लिए हथियार रखने की जरूरत बताई। एक डॉक्टर ने स्वीकार किया कि वह हमेशा अपने हैंडबैग में एक फोल्डेबल चाकू और मिर्च स्प्रे रखती हैं क्योंकि ड्यूटी रूम एक अंधेरे और सुनसान गलियारे के दूर छोर पर है। दुर्घटना केस पर काम करने वाले डॉक्टरों ने

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने रिलायंस-डिज्नी मर्जर को दी मंजूरी

मुंबई। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की मुंबई बैंच ने शुक्रवार को रिलायंस वायकॉम18 और स्टार इंडिया की डील को मंजूरी दे दी है। यानी डिज्नी और रिलायंस एंटरटेनमेंट एक हो रहे हैं। एनसीएलटी ने इसका आर्डर वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिया है। इससे पहले कंपटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने इस मर्जर को मंजूरी दी थी। रेगुलेटर ने पाया कि कंपनियों ने सभी प्रक्रिया को पूरा कर लिया है। एनसीएलटी ने कहा कि रीजनल डायरेक्टर, ऑफिसियल लिक्विडेटर, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट या जीएसटी डिपार्टमेंट से मर्जर पर कोई आपत्ति नहीं उठाई गई है। एनसीएलटी ने यह भी कहा कि हालांकि सूचना और प्रसारण मंत्रालय से किसी मंजूरी की जरूरत नहीं है। हालांकि योजना की मंजूरी के बाद रिलायंस वायकॉम-18 के टीवी चैनलों को स्टार इंडिया को ट्रांसफर करने के लिए मंत्रालय की मंजूरी की जरूरत होगी। बता दें कि डिज्नी और रिलायंस एंटरटेनमेंट के एक हो जाने के बाद यह भारत की सबसे बड़ी एंटरटेनमेंट कंपनी बनेगी। यह एक स्पोर्ट्स पावरहाउस भी बन जाएगा। कंपनी के पास पूरे भारत में 75 करोड़ दर्शक होंगे। इस मेगा-मर्जर में डिज्नी स्टार के 80 चैनल और रिलायंस वायकॉम18 के 40 चैनल जुड़ जाएंगे। यानी, कुल 120 चैनल हो जाएंगे। हालांकि इनमें से कुछ चैनल्स को बंद किया जा सकता है। दोनों के पास ओटीटी एप भी है- डिज्नी हॉटस्टार और जियो सिनेमा। मर्जर के बाद बनी नई कंपनी के पास 2 लाख घंटे का डिजिटल कंटेंट हो जाएगा। इस ज्वाइंट वेंचर की वैल्युएशन करीब 70,000 करोड़ रुपए है, जिसमें रिलायंस 11,500 करोड़ रुपए का और निवेश करेगी. रिलायंस के पास 63.16% हिस्सेदारी होगी। जबकि डिज्नी के पास 36.84त्न हिस्सेदारी रहेगी। नीता अंबानी ज्वाइंट वेंचर की चेयरपर्सनल होंगी और उदय शंकर वाइस चेयरमैन की भूमिका निभाएंगे।

शिवराज ने जिसे बंद कराया, उसे फिर शुरू कराएंगे मोहन, एक अधिकारी की जिद की भेंट चढ़ गया था सीपीए

भोपाल। एक अधिकारी की जिद के कारण राजधानी परियोजना प्रशासन (सीपीए) को दो साल पहले बंद कर दिया गया था। अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर इसे पुनर्जीवित करने की कवायद शुरू कर दी गई है। कभी राजधानी भोपाल को खूबसूरती देने वाला सीपीए बंद करने के पीछे एक नौकरशाह की जिद ऐसी रही कि पिछले डेढ़ साल से भोपाल की सूरत ही बदल गई है।शहर की मुख्य सड़कों की बदहाली सीपीए के न होने की कहानी बता रही है। आए दिन दुर्घटनाओं को न्यौता देते सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे, उजड़ते हुए पार्क और पर्यावरण का संतुलन बनाए हुए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने शहर की खूबसूरती ही खत्म कर दी। सीपीए को बंद करने का खेल वर्ष 2021 में शुरू हुआ था। मध्य प्रदेश के प्रशासनिक महकमे में अपना एक बड़ा रसूख रखने वाले वरिष्ठ अधिकारी की जिद के चलते ही तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा था कि राजधानी की सड़कों की जिम्मेदारी एक या दो एजेंसी के पास होना चाहिए। ढेर सारी एजेंसियों की क्या जरूरत है। उन्होंने सीपीए की कोई जरूरत न बताते हुए इसे तत्काल बंद करने के निर्देश दिए थे और अंतत- सीपीए को 2022 में बंद कर दिया था।अब शहर की बदहाली को देखते हुए मोहन सरकार ने इसे फिर से शुरू करने का निर्णय लिया है।

अवनि, मोना, प्रीति और मनीष के गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज की धूम

पेरिस पैरालंपिक में भारत को दो घंटे में 4 मेडल

पेरिस। पेरिस पैरालंपिक्स में शुक्रवार को भारत की शुरुआत शानदार रही। इन गेम्स के दूसरे दिन भारत ने चार मेडल जीते। चार में से तीन मेडल शूटिंग और एक मेडल एथलेटिक्स में आया। हर मेडल के साथ भारतीय खिलाड़ियों ने इतिहास रचा। यह चार मेडल महज दो घंटे में आए। बैक टू बैक मेडल ने यह उम्मीद जगा दी है कि भारतीय दल पेरिस में 25 मेडल का लक्ष्य हासिल कर लेगा। शुक्रवार दोपहर तीन बजे तक मेडल टैली में भारत के खाते में कोई मेडल नहीं था। इसके बाद शुरू हुआ महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (एसएच 1) इवेंट। भारत के लिए टोक्यो में गोल्ड जीतने वाली स्टार पैरा निशानेबाज अवनी लेखरा और पहली बार पैरालंपिक खेल रही स्टार पैरा निशानेबाज मोना अग्रवाल ने यहां चुनौती पेश की।

अवनी और मोना ने एक ही इवेंट में जीता मेडल

भारत की स्टार पैरा निशानेबाज अवनी लेखरा ने टोक्यो के बाद पेरिस पैरालंपिक में भी नए रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता जबकि भारत की स्टार पैरा निशानेबाज मोना अग्रवाल को ब्रॉन्ज मेडल मिला। तीन साल पहले टोक्यो में गोल्ड जीतने वाली 22 वर्ष की अवनी ने 249.7 का स्कोर करके अपना ही 249.6 का पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त किया।

प्रीति पाल ने रचा इतिहास

इस इवेंट के लगभग एक घंटे बाद महिलाओं का टी-35 वर्ग की 100 मीटर फाइनल रेस शुरू हुई जहां भारत की प्रीति पाल चुनौती पेश कर रही थीं। उन्होंने 14.21 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय से कांस्य पदक जीता। तेईस साल की प्रीति का कांस्य पदक पेरिस पैरालंपिक की पैरा एथलेटिक्स में भारत के इतिहास का पहला पदक है।

मनीष नरवाल ने सिल्वर जीतकर रचा इतिहास

शाम साढ़े पांच बजे पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल (एसएच 1) इवेंट में भारत के मनीष नरवाल एक्शन में थे। मनीष ने टोक्यो में गोल्ड मेडल जीता था, ऐसे में उनसे फिर से मेडल की उम्मीद थी। मनीष नरवाल अपने गोल्ड को डिफेंड नहीं कर पाए लेकिन उन्होंने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। मनीष ने 234 . 9 स्कोर किया जबकि जियोंगडू ने 237 . 4 स्कोर करके स्वर्ण पदक जीता। नरवाल क्वालीफिकेशन दौर में 565 स्कोर करके पांचवें स्थान पर रहे थे। वे लगातार दो पैरालंपिक्स में मेडल जीतने वाले देश के पहले पैरा शूटर बने। इस तरह तीन बजे तक बिना किसी मेडल के टैली में मौजूद भारत के खाते में शाम छह बजे तक चार मेडल आ गए।

CNews सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network

अवश्यकता है

इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।

डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं

डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम

डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़

रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे

9755996590

पिता ने तीन माह की बेटी को हौज में डूबो कर मार डाला

इंदौर। पत्नी पर चरित्र शंका के शक में पिता ने अपनी ही तीन माह की मासूम बेटी को हौज में डूबा कर मार डाला। दंपति इंदौर के खजराना मंदिर के बाहर हार-फूल बेचने का कारोबार करता है। आरोपी पहले पुलिस को गुमराह करता रहा और बेटी की हत्या की शिकायत करता रहा। इस पर पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया, लेकिन उनकी अपराध में लिप्तता नहीं मिली। जब आरोपी पति से सख्ती से पूछताछ की तो मामले का खुलासा हो गया। खजराना मंदिर क्षेत्र में रहने वाला यह दंपति गुरुवार रात अपनी तीन महीने की बच्ची के साथ सो रहा था। सुबह जब मां की आंख खुली तो बच्ची उनके पास नहीं थी। दंपति ने तुरंत उसे ढूंढ़ना शुरू किया। कुछ देर बाद मासूम बच्ची समीप के एक हौज में मिली। पिता कालू ने ही उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद दंपति ने घटना की सूचना पुलिस को दी। माता-पिता ने पुलिस को बताया कि एक दिन पहले उनका एक युवक से विवाद हुआ था। पुलिस ने शक के आधार पर उस युवक व एक अन्य को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की, लेकिन अपराध में उनकी कोई सहभागिता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने पति से कड़ाई से पूछताछ की तो मामले का खुलासा हो गया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी कालू को शक था कि यह बच्ची उसकी नहीं है। इसे लेकर वह अक्सर पत्नी से विवाद करता था। पुलिस के अनुसार बच्ची की मां ने बताया था कि तीन माह की बच्ची हौज तक नहीं पहुंच सकती। आरंभिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बच्ची को डूबोकर मारने की आशंका जताई गई है। उसके पेट पर उंगलियों के गहरे निशान हैं।

यह बताया पुलिस ने एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि सुबह शव मिलने के बाद परिवार के बयान के आधार पर दो लोगों को हिरासत में लिया था। बाद में यह पता चला है कि बच्ची के माता-पिता दोनों ही आपस में झगड़ते हैं। सीसीटीवी भी देखा गया है। शुक्रवार सुबह अपने बयान में मां ने पुलिस को बताया कि 3 महीने की बच्ची घुटने के बल भी नहीं चल सकती तो टंकी तक पहुंचने का सवाल ही पैदा नहीं होता। रात में हुए विवाद के कारण ही कुछ लोगों ने मिलकर बच्ची को उसकी मां के पास से उठाया और टंकी में डुबोकर मार दिया। तब उसे यह नहीं पता था कि हत्या करने वाला कोई और नहीं, बल्कि उसी का पति है। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों ने पुलिस को बताया कि बच्ची तीन माह की थी। उसकी त्वचा बहुत नाजुक थी। पेट पर उंगलियों के निशान मिले हैं। उसे जोर से पकड़ा गया था।

यह बताया आरोपी ने आरोरी कालू ने कहा कि संतान को लेकर पति-पत्नी में विवाद होता था। रात को झगड़ा होने के बाद पत्नी सोनू के बगल में सो रही बच्ची को उठा कर ले गया और हौज में डाल कर ढक्कन से ढंक दिया। एसीपी कुंदन मंडलोई के मुताबिक सोनू को पता था कि बेटी को पति ने ही मारा है। वह खुद हौज से निकाल कर लाई थी, लेकिन उसने भी कालू को बचाने का प्रयास किया। डीसीपी जोन-2 अभिनय विश्वकर्मा के मुताबिक मूलतः छिंदवाड़ा निवासी कालू उर्फ शेरू गणेश मंदिर परिसर में फूल और दुर्वा बेचता है। पत्नी सोनू भी तीन महीने की बच्ची को गोद में लेकर मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को दुर्वा बेचती है और उनसे रुपये मांगती है।

तिलक नगर और सांईनाथ कॉलोनी में ध्वनि प्रदूषण, जैन मंदिर को नोटिस

इंदौर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने तिलक नगर और सांईनाथ कॉलोनी में ध्वनि प्रदूषण के मामले में धार्मिक संस्थानों और राज्य अधिकारियों को नोटिस जारी किए हैं। श्वेतांबर जैन मंदिर में ध्वनि प्रदूषण को लेकर तय नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। यहां कभी भी आयोजन कर ध्वनि प्रदूषण किया जाता है। इस संबंध में हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई थी। मामले में कोर्ट ने कलेक्टर और प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड सहित मंदिर की प्रबंध कार्यकारिणी को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब मांगा है। साथ ही अधिकारियों को नियमों का पालन करवाने के भी डायरेक्शन दिए हैं। याचिकाकर्ता शैलेष उर्ध्ववरेषे की ओर से अधिवक्ता प्रत्यूष मिश्रा ने बहस की। याचिका इन क्षेत्रों में कुछ धार्मिक संस्थानों द्वारा लगातार और अत्यधिक ध्वनि विस्तारकों के उपयोग पर केंद्रित है। जिससे स्थानीय निवासियों, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों और स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त व्यक्तियों को गंभीर परेशानी हो रही है। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति प्रणय वर्मा ने 2015 में राजेंद्र कुमार वर्मा बनाम मध्यप्रदेश राज्य के मामले में पारित एक आदेश का संदर्भ दिया, जिसमें ध्वनि स्तर प्रतिबंधों के अनिवार्य अनुपालन को रेखांकित किया गया था, जैसा कि ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 के तहत है। न्यायमूर्ति वर्मा ने राज्य अधिकारियों को इन नियमों का सख्ती से पालन करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि ध्वनि स्तर तय सीमा से अधिक न हो। अदालत ने राज्य सरकार को भी ध्वनि प्रदूषण नियमों का तुरंत पालन करने और राजेंद्र कुमार वर्मा बनाम मध्यप्रदेश राज्य मामले में निर्णय को लागू करने के लिए उठाए गए कदमों का विवरण देने वाला हलफनामा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। यह मामला नागरिकों के शांतिपूर्ण और स्वस्थ जीवन जीने के अधिकार की रक्षा के प्रति न्यायपालिका की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

एमवाय अस्पताल का मामला

जूनियर डॉक्टरों के विवाद के बाद नर्सिंग स्टाफ ने काम किया बंद

इंदौर। एमवाय हॉस्पिटल में गुरुवार को जूनियर डॉक्टर प्रवीण मिश्रा और डॉ. हेमंत द्वारा नर्सिंग ऑफिसर सुनील मेवाड़ के साथ हुई मारपीट की घटना ने तूल पकड़ लिया। शुक्रवार को हॉस्पिटल के ओटी के नर्सिंग ऑफिसर ड्यूटी पर पहुंचे लेकिन ऑपरेशन थिएटर में काम करने से मना कर दिया। उन्होंने घटना के विरोध में नारेबाजी की। उनकी मांग की कि डीन-सुपरिनटेंडेंट मामले में डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करें अन्यथा वे उग्र आंदोलन करेंगे। हंगामे के बाद मारपीट करने वाले जूनियर डॉक्टरों ने माफीनामा लिखकर दिया। इसके बाद नर्सिंग ऑफिसर्स काम पर लौट गए। गुरुवार को एक मरीज के ऑपरेशन के बाद सैंपल बायोप्सी के लिए नहीं भेजे जाने पर डॉक्टरों ने नर्सिंग ऑफिसर को पीटा था। शुक्रवार सुबह 8 बजे नर्सिंग ऑफिसर्स ड्यूटी पर पहुंचे लेकिन जिनकी ऑपरेशन थिएटर में ड्यूटी है उन्होंने काम नहीं किया। कुछ देर बाद मप्र नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश कुमार जाट के साथ अन्य नर्सिंग ऑफिसर्स हॉस्पिटल पहुंचे। हॉस्पिटल में सुपरिनटेंडेंट डॉ. अशोक यादव नहीं थे। इस पर उन्होंने उन्हें फोन कर हॉस्पिटल आने की मांग की है। कुछ देर बाद डॉ. यादव पहुंचे तो नर्सिंग ऑफिसर्स ने विरोध जताया। इस दौरान नर्सिंग ऑफिसर वर्षा रहांगडाले ने भी घटना को लेकर जानकारी दी। डॉ. यादव ने बताया कि दोनों पक्षों में समझौते करने प्रयास किया। साथ ही एक कमेटी बनाई जाएगी जो तीन दिन में रिपोर्ट सौंपेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिर्फ आर्थो की ओटी कुछ देर बंद थी। कोई ऑपरेशन प्रभावित नहीं हुआ है। नर्सिंग ऑफिसर्स काम पर लौट गए हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश कुमार जाट ने डॉक्टरों के माफीनामे की पुष्टि की है।

सिंहस्थ से पहले कान्ह और सरस्वती नदी होगी कब्जे से मुक्त

डेढ़ हजार निर्माण टूटेंगे

इंदौर। चार साल बाद उज्जैन में लगने वाले सिंहस्थ मेल के लिए शिप्रा नदी शुद्धिकरण की शुरूआत इंदौर से होगी। कान्ह और सरस्वती नदी शिप्रा में मिलती है और सबसे ज्यादा यह दोनो नदियां ही शिप्रा को प्रदूषित करती है। इंदौर नगर निगम दोनो नदियों को प्रदूषण से मुक्त करेगा। पांच सौ करोड़ रुपये की लागत से ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाएंगे। इसके लिए उसके आसपास से कब्जे भी हटाए जाएंगे। कलेक्टर आशीष सिंह ने अतिक्रमण हटाने के लिए अफसरों की बैठक भी ली है। नदी के कब्जे हटने से इंदौर में जलजमाव की समस्या भी दूर हो जाएगी। सिंह ने कहा कि ग्रीन ट्रिब्यूनल ने भी कब्जे हटाने के लिए कहा है। सर्वे के बाद डेढ़ हजार अतिक्रमण चिन्हित किए है। प्रभावितों को आवास भी दिए जाएंगे। नदी के आसपास 30 मीटर तक कब्जे हटाए जाएंगे। इंदौर के कबीटखेड़ी क्षेत्र में 200 करोड़ की लागत से 300 एमएलडी क्षमता का ट्रीटमेंट प्लांट बनाया गया है, लेकिन शहर का फैलाव निरंजनपुर, लसुड़िया, मांगलिया तक हो चुका है और वहां भी सीवरेज का पानी नदी में मिल रहा है। कर्बला पुल से लेकर मच्छी बाजार तक दोनो तरफ नदी के आसपास अतिक्रमण है। इनमें जवाहर नगर, काटजू कॉलोनी, बारा भाई बस्ती शामिल है। स्वदेशी मिल से भागीरथपुरा बस्ती तक सबसे ज्यादा अतिक्रमण हुए है। इस बस्ती को प्रशासन ने नोटिस भी दिया है। इसके अलावा कुलकर्णी भट्टा क्षेत्र में भी 300 से ज्यादा कब्जे नदी के दोनो तरफ है। मध्य क्षेत्र में कान्ह नदी पर चंपा बाग, रानीपुरा, तोड़ा बस्ती,श्यामाचरण शुक्ल नगर, शिवशक्ति नगर, छावनी में भी बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हो चुके है, जिन्हें अब हटाया जाएगा।

मिलावटी खाद्य सामग्री को लेकर 20 संस्थानों पर 21 लाख का जुर्माना

इंदौर। शहर के बार, होटल, डेयरी, यहां तक की अनाज और मसालों की फैक्टरियों में भी खाद्य सामग्री सही नहीं है। ऐसे ही 20 संस्थानों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सैंपल लेने और जांच के बाद सैंपल फेल होने पर 21 लाख का जुर्माना लगाया है। इन फूड प्रोडक्ट में दूध, घी, ब्रेड, पनीर से लेकर ड्रायफ्रूट्स, मूंग और मसाले भी शामिल हैं। कई जगह बिना फूड लाइसेंस, बिना अनुमति के ही प्रोडक्ट बनाकर बेचे जा रहे थे। अपर कलेक्टर गौरव बैनल द्वारा जारी आदेश के मुताबिक इसमें स्कीम नंबर 140 के एक बार एंड रेस्टोरेंट सहित 20 प्रतिष्ठान शामिल है। इनके सैंपल फेल होने की रिपोर्ट आने और व्यक्तिगत सुनवाई के बाद जुर्माने के आदेश किए गए हैं। 30 दिन में यदि यह राशि जमा नहीं की तो लाइसेंस निरस्त होगा।

इन पर लगा जुर्माना- रिलायंस रिटेल लि. स्मार्ट पॉइंट स्नेह नगर- अवमानक मूंग साबूत, 2 लाख जुर्माना । मधुबन सिंपली वेज, स्कीम 94, पनीर खराब, जानकारी भी नहीं दी- डेढ़ लाख का जुर्माना । च्वॉइस बेकरी, नायता मुंडला, बिना पंजीयन बेकरी उत्पाद का निर्माण- 50 हजार का जुर्माना । गौतम फूड मार्केटिंग पालदा में मिथ्याछाप फरियाली मिक्चर, लूज मिर्ची पाउडर का उपयोग- 50 हजार का जुर्माना । गौरी ट्रेडर्स, बांक, मिथ्याछाप ब्रेड की ब्रिकी- 50 हजार जुर्माना । महेंद्र ब्रदर्स, मूसाखेड़ी, मिथ्यछाप सूर्या कोकोनेट, रिफाइंड ऑइल-3.20 लाख जुर्माना। हनुमान ट्रेडिंग, साजन नगर, मिथ्याछाप बादाम और मसूर, 1 लाख रुपए जुर्माना । गोवर्धन फैमिली रेस्टोरेंट, बैंक कॉलोनी, अवमानक पनीर, 1 लाख जुर्माना । गुरुजी प्रोडक्ट्स, पिगडंबर, पैक्ड केसरिया ठंडाई, 1.50 लाख जुर्माना । आकाश ग्लोबल, प्री पैक्ड मूंग दाल, 80 हजार जुर्माना । गिरी घी, गुरु कुल कॉलोनी राऊ अवमानक घी 80 हजार जुर्माना । च्वॉइस उज्जैन बैकरी, नायता मुंडला, मिथ्यछाप टोस्ट, सुपर इलायची का बिना पंजीयन निर्माण- 50 हजार जुर्माना । राइसिंग पैक इंटरनेशनल, मंगल उद्योग नगर, मिथ्यछाप डॉ. ओटकर सेंडविच स्प्रेड- 1.60 लाख जुर्माना । गौरव नमकीन एंड डेयरी, ब्रह्मबाग, मिथ्याछाप पेड़ा, 60 हजार जुर्माना । एबीएस फूड्स, शेखर सेंटर, अवमानक दही- 80 हजार जुर्माना । एसटी ट्रेडर्स मंगल नगर, अवमानक घी- 60 हजार जुर्माना । त्र पालीवाल स्वीट्स एंड बेकरी, अवमानक दूध। 60 हजार। त्र साहिल इंटरप्राइजेस, 501 बिचौली मदार्ना, अवमानक पनीर, 1.50 लाख जुमार्ना। सोनू फूड्स, पालदा,अवमानक धनिया दाल- 80 हजार जुर्माना । ऋषभ फूड प्रोडक्ट्स, नायता मुंडला, अवमानक काली मिर्च पाउडर का गरम मसाले में उपयोग- 1.50 लाख जुर्माना ।

अनंत चतुदर्शी पर सिर्फ लाठी के साथ बंदिश और भाले का प्रदर्शन कर सकेंगे कलाकार

इंदौर। इंदौर में 17 सितम्बर को अनंत चतुर्दशी का चल समारोह परंपरागत रूप से निकाला जाएगा। समारोह में नयनाभिराम झांकियां ?निकलेगी, वहीं शस्त्र कलाओं का प्रदर्शन करते हुए अखाडे भी निकलेंगे। जिला प्रशासन द्वारा सर्वश्रेष्ठ झांकियों और अखाड़ों का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। जिला प्रशासन के निर्णायक मंच के समक्ष प्रदर्शन के लिए इस बार दो शस्त्र कला विधाओं का चयन किया गया है। इस मंच के समक्ष अखाड़ों के कलाकार सिर्फ लाठी के साथ बंदिश (तलवार, चाकू, कुर्सी आदि का प्रयोग शामिल नहीं है) और बल्लम (भाला) का प्रदर्शन कर सकते हैं। शस्त्र कला का निर्धारण शुक्रवार कोसंभागीय जनसंपर्क कार्यालय इंदौर में संपन्न हुई जिला प्रशासन अखाड़ा निर्णायक समिति की बैठक में किया गया। समिति द्वारा इस बार निर्णय लिया गया है कि उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर शस्त्र कला के उक्त दोनों वर्गों में महिला अखाड़ों को विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। प्रत्येक खेल के लिये तीन-तीन मिनट का समय प्रत्येक अखाड़े को दिया जाएगा। अखाड़ों को समय और अनुशासन का पालन करना होगा। अखाड़ों को जिला प्रशासन द्वारा तय किये गये दिशा निदेर्शों का पूर्ण पालन करना होगा। अखाड़ों के साथ डीजे का उपयोग भी प्रतिबंधित रहेगा।

लोकगायिका मालिनी अवस्थी ने कहा-

लोकगीत समाज को नहीं बांटते

इंदौर। इंदौर में आयोजित हो रहे अभ्यासमंडल की 63वीं व्याख्यानमाला के दूसरे दिन यानी शुक्रवार को लोकगायिका पद्मभूषण मालिनी अवस्थी ने 'लोक के आलोक में भारत' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लोक गीतों में गुणों को भी महत्व दिया जाता है। लोकगीत समाज को खांचों में नहीं बांटते। यह हमें एक ताने-बाने में बांध कर रखता है। यूपी में मुस्लिम बहनें भी शादी में शगुन गीत गाती हैं। एक दूसरे को जोड़े रखना लोक गीतों की सबसे बड़ी ताकत है। मालिनी ने कहा कि भारत में हमारे पूर्वजों ने सिखाया कि लोक में जो भी विद्यमान है, उसका आदर किया जाए। लोक में चैतन्य वस्तुएं भी दिखती हैं और जड़ता का भी सम्मान होता है। मांगलिक कार्य में गीत गाकर पुरखों को न्योता देने के लिए हम मिट्टी को भी चैतन्य मानकर पूजते हैं। आंधी पानी लड़ाई, झगड़े का न्योता लोक गीतों में दिया जाता है। हम नकारात्मक बातों में भी रचनात्मकता खोज लेते हैं।यह भारतीय लोक की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि लोकाचार किसी पुस्तक में नहीं मिलता, वो लोक व्यवहार में रहता है। रामायण के कई प्रसंग लोक गीतों में हैं। लेकिन किताबों में नहीं हैं। इन प्रसंगों के माध्यम से लोक गीतों में सीख भी देने की कोशिश की गई है। मालिनी ने कहा कि परोपकार को भारतीय मूल्यों में बड़ा महत्व दिया गया, जिसमें गुण है, उन्हें ही महान माना जाता है। देश उसी राजा को जानता है, जिसने परोपकार, लोक कल्याण के काम किए। लोक गीत किसी सेलेब्स, रिकार्डिंग में नहीं मिलते हैं। लेकिन सदियों से इसे पूर्वजों ने अपने कंठ में जीवित रखा, ताकि पीढ़ी दर पीढ़ी उन गीतों से शिक्षा ले सकें। अवस्थी ने कहा कि सहना हमेशा बुरा नहीं होता, अब सहना छोड़ दिया, इसलिए परिवार टूट रहे हैं। सहना इंसान की कमजोरी नहीं ताकत है। हमारे देश ने भी काफी सहा है। इस दौरान स्वागत भाषण हरेराम वाजपाई ने दिया। मंच पर गौतम कोठरी और शोभा ओझा सहित कई लोग मौजूद रहे।

निजी अस्पताल के मेल स्टाफ नर्स की सड़क हादसे में मौत

इंदौर। इंदौर के निजी अस्पताल में काम करने वाले मेल स्टाफ नर्स की सड़क हादसे में मौत हो गई। वे अपने भाई से मिलने पीथमपुर जा रहे थे। धार रोड पर उनकी बाइक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। जब भाई ने उन्हें कॉल किया तो एंबुलेंस के डॉक्टर ने उठाया और घटना की जानकारी दी। इसके बाद भाई अस्पताल पहुंचे। बताया जाता है कि मौके पर काफी देर तक वह घायल पड़े थे। उन्हें मदद काफी देर से मिली। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक धार रोड पर गुरुवार रात प्रमोद (30) पुत्र धर्मराज सिंह निवासी नंदानगर हादसे का शिकार हो गए। वह अपने भाई सर्वेश निवासी पीथमपुर से मिलने जा रहे थे। देर रात तक प्रमोद पीथमपुर नहीं पहुंचे तो भाई ने कॉल किया। उनका कॉल एम्बुलेंस के डॉक्टर ने उठाया। उन्होंने ही बड़े भाई को घटना की जानकारी दी और अस्पताल बुलाया। प्रमोद भंडारी अस्पताल में स्टाफ नर्स के पद पर पदस्थ थे। उनके भाई पीथमपुर में निजी कंपनी में कार्यरत हैं। कई बार वह रात में अपने भाई के यहां जाकर रुकते थे। परिवार के मुताबिक वह उत्तर प्रदेश के बांदा के रहने वाले हैं। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

निगम के भवनों की छतें किराए पर देने का प्रस्ताव पास, पार्किंग का टेंडर कैंसिल

आवारा श्वानों और खराब सड़कों को लेकर निगम की बैठक में हंगामा

भोपाल। भोपाल नगर निगम परिषद की बैठक में भोपाल के आवारा श्वानों और खराब सड़कों को लेकर लेकर हंगामा हो गया। परिषद की बैठक में कांग्रेस पार्षदों के विरोध के बावजूद भोपाल नगर निगम के भवनों की छतें किराए देने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई। हालांकि अगली बैठक में इसकी पूरी नियमावली पटल के सामने रखी जाएगी। तर्क है कि इससे निगम की आय बढ़ेगी। वहीं न्यू मार्केट में मल्टी लेवल पार्किंग का काम संभालने वाले अख्तर इंटर प्राइजेस का टेंडर कैंसिल किया जाएगा। मीटिंग में सीएसआर फंड से चौराहे संवरने, कमला पार्क में कॉलेज के पास फूड ओवर ब्रिज बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। एमआईसी मेंबर जगदीश यादव ने निगम की संपत्ति की छत किराए से देने का प्रस्ताव रखा, जिसका समर्थन पार्षद ब्रजला सचान के किया। इस पर कांग्रेस पार्षद मोहम्मद अजीज ने आपत्ति ली। पार्षद देवांशु कंसाना ने भी विरोध किया। कंसाना ने मांग रखी कि जोन और वार्ड कार्यालय की छत किराए पर न दी जाए। पार्षद पप्पू विलास ने भी अपनी बात रखी। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा कि इसमें कई पेंच हैं, इसलिए इस प्रस्ताव को लेकर जल्दबाजी ठीक नहीं। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस पार्षद ने नसीम गफूर ने पूछा कि पिछले बजट में स्ट्रीट डॉग्स को लेकर एक करोड़ रुपए का प्रावधान

किया गया था। ये राशि कहां खर्च हुई? इस पर एमआईसी मेंबर आरके सिंह ने बताया कि नगर निगम श्वानों के लिए बाड़े का निर्माण नहीं करता। इसका पिंजरा बनता है, जो बनाए गए हैं। इस पर गफूर ने कहा कि इतनी राशि खर्च होने के बाद आवारा कुत्ते क्यों हैं? कांग्रेस पार्षद शबिस्ता जकी ने भाजपा मंडल अध्यक्ष पर अवैध वसूली का आरोप लगाया। भाजपा पार्षदों ने खड़े होकर विरोध जताया। भोजपा पार्षद और एमआईसी सदस्य रविंद्र यति ने कांग्रेस पार्षदों की बात का समर्थन करते हुए नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी से कहा कि आज शहर में बोट क्लब, न्यूमार्केट, 10 नंबर और एमपी नगर समेत अन्य प्रमुख स्थानों पर पार्किंग की अवैध वसूली की जा रही है। इसको लेकर मैं भी नगर निगम के अधिकारियों से शिकायत कर चुका हूं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आसंदी की ओर मुखातिब होते हुए कहा कि अध्यक्ष जी निगम के अधिकारी संबंधित स्थानों का मुआयना करें। यदि उन्हें उक्त स्थानों पर अवैध पार्किंग नहीं मिलती तो आज सदन में इस पर सवाल उठाने वाले जनप्रतिनिधि इस्तीफा दे देंगे। वहीं यदि इन स्थानों पर अवैध पार्किंग मिलेगी, तो फिर अधिकारियों को इस्तीफा देना होगा।

न्यूमार्केट में अख्तर इंटरप्राइजेस का टेंडर निरस्त- परिषद बैठक में कांग्रेस और भाजपा के पार्षदों ने बताया कि न्यूमार्केट में ठेका कंपनी अख्तर इंटरप्राइजेस द्वारा पार्किंग की वसूली की जा रही है। जबकि उसका ठेका भी खत्म हो चुका है. लेकिन शहर में जोनल अधिकारियों की शह पर जगह-जगह पार्किंग की वसूली हो रही है। ऐसे में अख्तर इंटरप्राइजेस का ठेका निरस्त किया जाए। इस पर अध्यक्ष ने अधिकारियों से जांच कराने का आश्वासन दिया। लेकिन कांग्रेस और भाजपा के पार्षद अड़ गए, कि अभी सदन में संबंधित पार्किंग का ठेका निरस्त करने का प्रस्ताव लाया जाए। जिसके बाद अध्यक्ष ने इस प्रस्ताव पर दोनों पक्षों की राय ली और बहुमत के आधार पर अख्तर इंटरप्राइजेस का ठेका निरस्त कर दिया।

बैठक में दो प्रस्ताव रखे गए- नगर निगम परिषद की बैठक में दो प्रस्ताव रखे गए थे। दोनों ही प्रस्तावों को बहुमत के आधार पर पारित कर दिया गया है। इसमें एक प्रस्ताव 10 नंबर मार्केट में करीब डेढ़ एकड़ जमीन पर जी-3 मल्टी लेवल पार्किंग बनाने का रखा गया था। जबकि दूसरा प्रस्ताव निगम स्वामित्व के भवन, दुकान, छत, चबूतरा और बरामदे को किराए पर देने को लेकर था इसके तहत जो भी संपत्ति 5 बार टेंडर काल करने के बाद भी नहीं बिक रही है, उसे किसी निजी उपयोग के लिए किराए पर दिया जा सकता है। हालांकि इसके लिए 10 महीने की समयसीमा निर्धारित की गई है। प्रत्येक 10 महीने में किराए में 10 प्रतिशत की वृद्धि की जा सकेगी।

जेएडओ कर रहे टैक्स चोरी, 13 की जगह 4 लाख वसूले- भोजन अवकाश के बाद शुरू हुई बैठक में कांग्रेस के पार्षद अजीजुद्दीन ने जोनल अधिकारियों पर टैक्स .चोरी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने अध्यक्ष को बताया कि एक मामले में दो जोन अधिकारियों ने निगम के टैक्स की कम वसूली की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां 13 लाख रुपये का टैक्स वसूला जाना था, जबकि अधिकारियों ने 4.77 लाख रुपये ही वसूले गए। उन्होंने अध्यक्ष से इस मामले की जांच कराने के की मांग की है। वहीं एमआईसी मेंबर मनोज राठौर ने दो सड़कों का नाम बदलने की मांग भी की।

इस तरह भरे जाएंगे सड़कों के गड्ढे- कांग्रेस पार्षद अशोक मारण ने पूछा कि शहर की सड़कें खस्ताहाल हैं। आगे गणेश व दुर्गा पूजन का समय आने वाला है। ऐसे में सड़कों के कारण मूर्तियां भी खंडित होंगी।वहीं जनता रोज सड़कों के गड्ढों से दो चार हो रही है। इस मामले में सत्तापक्ष बताए कि सड़कों के निर्माण और मरम्मत का काम कब शुरू होगा। इस पर महापौर मालती राय ने बताया कि हमने बजट में घोषणा की है, कि प्रत्येक वार्ड में पार्षद की अनुशंसा से सड़क, सीवेज और जलकार्य के लिए 1-1 लाख रुपये के काम कोटेशन के जरिए कराए जा सकते हैं। अभी आप लोग इस फंड से सड़कों का दुरुस्त कराएं। नगर निगम जलद ही बड़ी सड़कों की मरम्मत शुरू करेगा।

एमआईसी मेंबर का तर्क- इनकम बढ़ेगी- एमआईसी मेंबर यादव ने कहा कि हर बिल्डिंग का भौतिक सत्यापन होगा। इसके बाद ही किराए पर देंगे। एमआईसी मेंबर मनोज राठौर ने कहा कि नए भवन की छत किराए से देने से निगम की आय बढ़ेगी। एमआईसी मेंबर रविन्द्र यति ने कहा कि छत को शराब दुकान या गलत कामों के लिए किराए पर नहीं देंगे। अन्य शहरों में छत किराए पर दी जाती है। उनकी आर्थिक आय होती है। यह प्रस्ताव हवा में नहीं बनाया गया है। यह नगर निगम की आर्थिक स्थिति को बेहतर करने और निगम की आय बढ़ाने को लेकर है।

2 जोनल अधिकारियों द्वारा वसूली करने का आरोप- एमआईसी मेंबर मनोज राठौर ने दो सड़कों के नामकरण की बात कही। इस पर अध्यक्ष सूर्यवंशी ने कमिश्नर को आगे की कार्यवाही करने को कहा।

कांग्रेस के सीनियर पार्षद मोहम्मद अजीजुद्दीन ने अवैध नल कनेक्शन और 2 जोनल अधिकारियों द्वारा कम वसूली करने का आरोप लगाया। उन्हें कहा कि 13 लाख रुपए वसूले जाने थे, लेकिन 4 लाख 77 हजार रुपए ही लिए गए। ऐसा क्यों किया गया, इसकी जांच हो। साथ ही जोनल अधिकारियों को हटाया जाए। एमआईसी मेंबर रविन्द्र यति ने दवाब बनाने वाले के नाम का खुलासा करने की बात कही। पार्षद पप्पू विलास ने कहा कि ये सिर्फ कांग्रेसियों की लड़ाई है।

मध्य प्रदेश में धीमी पड़ी मॉनसूनी बारिश की रफ्तार, कई इलाकों में आज यलो अलर्ट

सीहोर-देवास सहित कुछ जिलों में आज बरस सकते हैं बादल

भोपाल। मध्य प्रदेश में मॉनसूनी बारिश का दौर फिलहाल थोड़ा कमजोर पड़ रहा है। हालांकि शुक्रवार तक पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के नर्मदापुरम, जबलपुर और शहडोल संभागों के जिलों में अनेक स्थानों पर बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा उज्जैन, ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, रीवा और सागर संभागों के जिलों में कुछ स्थानों पर पानी गिरा। शेष सभी संभागों के जिलों में मौसम मुख्यतः शुष्क ही रहा। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए सीहोर, बैतूल, देवास, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, छिंदवाड़ा, मंडला, बालाघाट और पन्ना जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। जिसके चलते इन जिलों में कहीं-कहीं बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने के साथ ही 64.5 से 115.5 मिलीमीटर तक की भारी बरसात हो सकती है। इसके अलावा भोपाल, विदिशा, रायसेन, राजगढ़, नर्मदापुरम, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनूपपुर, शहडोल, जबलपुर, नरसिंहपुर, सिवनी, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर और पांढुर्णा जिलों में कहीं कहीं बादल गरजने और हवाएं चलने के साथ हल्की बारिश की संभावना है। इस दौरान राजधानी भोपाल में बादल छाए रहने, हवाएं चलने और हल्की बरसात होने की उम्मीद है।

ऐसी है मौसमी परिस्थितियां

सिनोप्टिक मौसमी परिस्थितियों की बात करें तो फिलहाल में अतितीव्र निम्न दाब का क्षेत्र कच्छ तट तथा पाकिस्तान और पूर्वोत्तर अरब सागर के ऊपर 23.5 उत्तर अक्षांश तथा 68.2 डिग्री पूर्व देशांतर के पास स्थित है। मॉनसून ट्रफ वर्तमान में कच्छ तट और पाकिस्तान और पूर्वोत्तर अरब सागर पर बने अतितीव्र निम्न दाब क्षेत्र, मालेगांव, ब्रह्मपुरी, जगदलपुर, कलिंगपट्टनम और उसके बाद दक्षिण-पूर्व की ओर पश्चिम मध्य और संलग्न उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र तक विस्तृत है। पश्चिम मध्य और संलग्न उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा के ऊपर एक सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र सक्रिय है, जो उत्तर-पश्चिम की ओर उत्तरी आंध्र प्रदेश और संलग्न दक्षिणी तटों की ओर बढ़ते हुए, अगले 36 घंटों के दौरान पश्चिमी-मध्य और संलग्न उत्तर-पश्चिम बंगालकी खाड़ी के ऊपर एक तीव्र निम्न दाब क्षेत्र में परिवर्तित हो सकता है।

बैतूल में सबसे अधिक बारिश दर्ज

शुक्रवार को सबसे अधिक बारिश बैतूल (54.4 मिमी), डिंडोरी (53.2 मिमी) और सागर के देवरी (50 मिमी) में रिकॉर्ड की गई। वहीं सबसे अधिक तापमान पृथ्वीपुर (निवाड़ी) में 37 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान राजगढ़ जिले में 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शुक्रवार सुबह तक बीते 24 घंटों में मकसूदनगढ़ में 48 मिमी, बुढ़ार में 48 मिमी, प्रभातपट्टन में 42.2 मिमी, वेंकटनगर में 42 मिमी, कुसमी में 41 मिमी, जुन्नारदेव में 40 मिमी, ब्योहारी में 38 मिमी, सुल्तानपुर में 36.4 मिमी, तेंदूखेड़ा (दमोह) में 32.4 मिमी और आमला में 30 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा अन्य सभी स्थानों पर इससे कम वर्षा रिकॉर्ड की गई। शुक्रवार सुबह तक बीते 24 घंटों में भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, रतलाम, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, सीधी, रीवा,सतना, मैहर, अनूपुपर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर और टीकमगढ़ में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलीं।

वीडी शर्मा ने कांग्रेस पर साधा निशाना, बोले- भाजपा सरकार की उपलब्धियों से कांग्रेस में बौखलाहट

कांग्रेस के खून में तुष्टिकरण हमारे खून में देशभक्ति

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की विकासशील सरकार की उपलब्धियों से कांग्रेस बौखला गई है और नकारात्मक राजनीति में लिप्त है। शर्मा ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस का हाथ हमेशा आपराधिक तत्वों के साथ रहा है। उन्होंने कांग्रेस से पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में सरकारों की वादाखिलाफी के खिलाफ आंदोलन करने की मांग की। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार ने कड़े निर्णय और अथक परिश्रम से कई

महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। यह कांग्रेस को रास नहीं आ रहा और इसी कारण वह नकारात्मक और छल कपट की राजनीति कर रही है। उन्होंने कटनी के मामले का उदाहरण देते हुए कहा कि जब भी कोई घटना सामने आती है, सरकार तुरंत कार्रवाई करती है, जबकि कांग्रेस तुष्टिकरण और जातिवादी विद्वेष की राजनीति से बाज नहीं आती। शर्मा ने कहा कि अगर कांग्रेस को आंदोलन करना है, तो उसे पश्चिम बंगाल में दुष्कर्म पीड़िता के साथ हुई निर्ममता, हिमाचल प्रदेश में सरकार की वादा खिलाफी, तेलंगाना में महंगाई और कर्नाटक में बढ़ती बेरोजगारी के खिलाफ करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता बंगाल की घटना पर चुप रहते हैं, जबकि उनकी तुष्टिकरण की राजनीति अन्य जगहों पर सक्रिय रहती है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ह्नसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, और सबका प्रयासह्व के मूल मंत्र के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने त्रिपुरा और केरल में आई बाढ़ में भी मदद पहुंचाई है, क्योंकि भाजपा के खून में देशभक्ति है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में शांति का माहौल कायम रहेगा और किसी भी कीमत पर मध्य प्रदेश का माहौल खराब नहीं होने दिया जाएगा।

पीसीसी की कैंटीन में आग लोगों ने भागकर बचाई जान

भोपाल। कांग्रेस कार्यालय के कैंटीन में अचानक आग लग गई। आग कैंटीन में रखे गैस सिलिंडर में लगी। जैसे ही लोगों को हादसे की जानकारी लगी तो दफ्तर में हड़कप मच गया और लोगों ने आनन फानन में भागकर अपनी जान बचाई। इधर, सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची लेकिन तब तक कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया था। रसोई में मौजूद कर्मचारियों ने सिलेंडर की ओर बोरियों को गीला कर फेंकते हुए और पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन वे नाकाम रहे। गनीमत रही कि आग ज्यादा नहीं फैली, वरना बड़ा नुकसान हो सकता था। दरअसल शुक्रवार को यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन है। इस वजह से कार्यालय में ही कार्यकताओं के लिए खाने की व्यवस्था की गई थी। हलवाई पूडियां तल रहे थे, तभी वहां रखे 1 सिलेंडर में भयानक आग लग गई। कर्मचारियों में हडकंप मच गया और आनन फानन में फायर ब्रिगेड की भी सूचना दे दी गई। लेकिन दफ्तर में मौजूद कुछ लोगों ने बड़ी बहादुरी से आग पर काबू पाया। गनीमत रही की आग ज्यादा नहीं बढ़ी नहीं तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। बताया जा रहा है कि मौके पर 4 सिलेंडर और रखे थे।

4 सितंबर को छिंदवाड़ा प्रवास पर रहेंगे पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष, जिले के विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर संगठन को लेकर करेंगे चर्चा

कमलनाथ के दौरे ने बढ़ाई संगठन में सर्जरी की सुगबुगाहट

भोपाल। लगभग दो महीने बाद पूर्व सीएम कमलनाथ अपने बेटे पूर्व सांसद नकुलनाथ के साथ 4 सितंबर को छिंदवाड़ा प्रवास पर रहेंगे। छिंदवाड़ा जिले की विभिन्न विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर संगठन को लेकर चर्चा करेंगे।

बताया जा रहा है कि इस बैठक के दौरान संगठन में सर्जरी भी हो सकती है, जिसको लेकर राजनीतिक सर गर्मी तेज हो गई है। कांग्रेस कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, सुबह 10 बजे पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं नकुलनाथ के साथ विशेष हवाई जहाज से छिंदवाड़ा पहुंचेंगे। कमलकुंज शिकारपुर में छिंदवाड़ा व पांढुर्णा जिले के वरिष्ठ कांग्रेसी जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं की आयोजित बैठक में सम्मिलित होंगे। वहीं, चार सितंबर को सुबह 11 बजे परासिया विधानसभा, 11.30 बजे सौंसर विधानसभा और दोपहर 12.20 बजे पांढुर्ना विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की

शाम 5.30 बजे छिंदवाड़ा नगर निगम क्षेत्र और शाम छह बजे छिंदवाड़ा ग्रामीण के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों की आयोजित बैठक में नेताद्वय सम्मिलित होंगे। पांच सितंबर को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, सुबह 10.30 बजे चौरई विधानसभा, 11 बजे अमरवाड़ा और 11.30 बजे जुन्नारदेव विधानसभा के जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की आयोजित बैठक में सम्मिलित होंगे। 4.30 बजे जिला पंचायत सदस्यों की बैठक और शाम पांच बजे निगम के कांग्रेस पार्षदों की बैठक में उपस्थित होंगे।

मप्र कांग्रेस में 3 सेक्रेटरी और एक ज्वाइंट सेक्रेटरी की नियुक्ति

भोपाल। एआईसीसी ने कई राज्यों के प्रदेश प्रभारी और महासचिव के साथ सचिव और संयुक्त सचिवों की नियुक्ति की है। इसमें मध्य प्रदेश कांग्रेस के संगठन में बड़ा बदलाव किया गया है। मध्य प्रदेश के लिए तीन सेक्रेटरी और एक ज्वाइंट सेक्रेटरी बनाए गए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने मध्य प्रदेश में संजय दत्त, चंदन यादव और आनंद चौधरी को प्रभारी सचिव की जिम्मेदारी सौंपी है। जबकि रणविजय सिंह को संयुक्त सचिव बनाया गया है। वहीं कांग्रेस के पूर्व विधायक कुणाल चौधरी का कांग्रेस संगठन में कद बढ़ा है। कुणाल चौधरी को महाराष्ट्र का सह

प्रभारी बनाया गया है। महाराष्ट्र में जल्द ही विधानसभा चुनाव होंने है। इस संबंध में कांग्रेस ने आदेश जारी कर दिया है। एमपी के एक और युवा नेता को कांग्रेस संगठन में जिम्मेदारी मिली है। आदिवासी नेता एवं पूर्व विधायक भूपेंद्र मरावी को गुजरात भेजा गया है। भूपेंद्र मरावी को गुजरात का सह प्रभारी बनाया गया है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने पहली बार जॉइंट सेक्रेटरी की नियुक्ति की है। पहली बार रणविजय सिंह लोचव को एमपी में जॉइंट सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है। वे 4 सचिवों के साथ इकलौते संयुक्त सचिव होंगे। एमपी कांग्रेस में बतौर प्रभारी सचिव कुलदीप इंदौरा राजस्थान के श्रीगंगानगर लोकसभा से सांसद चुने जा चुके हैं। दूसरे प्रभारी सचिव संजय कपूर करीब 5 साल से एमपी में बतौर इंचार्ज सेक्रेटरी काम कर रहे थे। शिव भाटिया की नियुक्ति करीब एक साल पहले हुई थी। सीपी मित्तल भी लंबे समय से काम कर रहे थे। अब एमपी में सिर्फ संजय दत्त ही पुराने सेक्रेटरी बचे हैं जो फिलहाल एमपी में काम करते रहेंगे।

संपादकीय

महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर राष्ट्रपति की अभूतपूर्व प्रतिक्रिया

कल्पना की जा सकती है कि महिलाओं के खिलाफ बर्बर, पाशविक अपराधों ने राष्ट्रपति को कितना झकझोर दिया होगा कि उन्हें कहना पड़ा- 'बस, अब बहुत हो गया।' एक राष्ट्र के तौर पर यह शर्मनाक और कलंकित स्थिति है कि राष्ट्रपति को लिखना पड़ा- 'किंडरगार्टन की बच्चियों के साथ भी दरिंदगी की जा रही है। आज देश गुस्से में है और मैं भी।' अब एक समाज के रूप में हम अपने आप से कुछ कठिन सवाल पूछें। राष्ट्रपति मुर्मू ने सवाल किया है कि 2012 में निर्भया कांड के बाद पूरा देश आंदोलित हो उठा था, लेकिन फिर लोगों ने यौन अपराधों को भुला दिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बेटियों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर एक मार्मिक और अभूतपूर्व प्रतिक्रिया दी है। अभूतपूर्व इसलिए है, क्योंकि देश के महामहिम अकसर कोई सार्वजनिक बयान नहीं देते। राष्ट्रपति केंद्रीय कैबिनेट की सलाह पर ही काम करते हैं। संभवतः तीन पन्नों की यह प्रतिक्रिया सार्वजनिक करने से पूर्व राष्ट्रपति कार्यालय ने इसे प्रधानमंत्री दफ्तर भेजा हो और फिर कैबिनेट की संस्तुति के बाद यह पत्र देश के सामने आया हो! राष्ट्रपति ने अपनी मनःस्थिति बयां करते हुए अपनी निराशा, हताशा और भय का इजहार भी किया है। कल्पना की जा सकती है कि महिलाओं के खिलाफ बर्बर, पाशविक अपराधों ने राष्ट्रपति को कितना झकझोर दिया होगा कि उन्हें कहना पड़ा- 'बस, अब बहुत हो गया।' एक राष्ट्र के तौर पर यह शर्मनाक और कलंकित स्थिति है कि राष्ट्रपति को लिखना पड़ा- 'किंडरगार्टन की बच्चियों के साथ भी दरिंदगी की जा रही है। आज देश गुस्से में है और मैं भी।' अब एक समाज के रूप में हम अपने आप से कुछ कठिन सवाल पूछें। राष्ट्रपति मुर्मू ने सवाल किया है कि 2012 में निर्भया कांड के बाद पूरा देश आंदोलित हो उठा था, लेकिन फिर लोगों ने यौन अपराधों को भुला दिया। क्या हमने यही सबक सीखा था? क्या हम 'सामूहिक स्मृतिलोप' के शिकार हैं? यह दुखद है और घिनौना भी है। दरअसल राष्ट्रपति ने समाचार एजेंसी पीटीआई के संपादकों से बातचीत की थी। बाद में उन्होंने तीन पन्नों का पत्र उन्हें लिखा। राष्ट्रपति ने उसमें उल्लेख किया है कि रक्षा बंधन मनाने कुछ बच्चे राष्ट्रपति भवन आए थे। उन्होंने निर्भया कांड जैसी घटनाओं के मद्देनजर मुझसे सवाल पूछे। मैंने उन्हें मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग के बारे में बताया। हालांकि मैं जानती थी कि यह सुरक्षा की गारंटी नहीं है, लेकिन अब उन बच्चों के सवालों के जवाब समाज ही दे सकता है। किसी भी सभ्य समाज में बेटियों, महिलाओं के खिलाफ ऐसे जघन्य अपराध स्वीकार्य नहीं हैं, बर्दाश्त नहीं किए जा सकते। हमें ईमानदार, निष्पक्ष आत्म-निरीक्षण की जरूरत है। अब हम न केवल इतिहास का सामना करें, बल्कि अपनी आत्मा के भीतर भी झांकें और इन अपराधों के कारणों की जांच करें। कोलकाता में एक तरफ प्रदर्शन हो रहे थे, दूसरी तरफ अपराधी भी घूम रहे थे। महिलाओं को कमतर आंकना भी घृणित मानसिकता है। कोलकाता कांड ने राष्ट्रपति मुर्मू के मानस को झकझोरा होगा, लेकिन उन्होंने देशभर में बढ़ते बलात्कारों और हत्याओं के प्रति अपनी चिंता और सरोकार जताया है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और विपक्ष के अन्य राजनीतिक दलों को इस पत्र से चिढ़ना नहीं चाहिए अथवा 'राजनीतिक पत्र' नहीं आंकना चाहिए। हम अब एक परिपक्व गणतंत्र हैं, लिहाजा राष्ट्रपति के ऐसे सार्वजनिक कथन पर विचार करना चाहिए। चूंकि भारत के राष्ट्रपति ने पत्र लिखकर देश के हालात पर निराशा और पीड़ा जताई है, जाहिर है कि शेष विश्व भी यह पत्र पढ़ेगा और एकबारगी सोचेगा कि क्या भारत बलात्कारियों का देश है? भारत का अपमान होगा, उसकी छवि पर कालिख पुतेगी, क्योंकि राष्ट्रपति ने ही क्षोभ जताया है। हालात इस पराकाष्ठा तक पहुंच चुके हैं कि राष्ट्रपति को कहना पड़ा है- 'बस, अब बहुत हो गया।' राष्ट्रपति के इस कथन की अलग-अलग व्याख्याएं की जा सकती हैं। इसे बंगाल में अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन लगाने की पृष्ठभूमि माना जा सकता है, लेकिन किसी भी राष्ट्रपति ने अनुच्छेद 356 चस्पां करने के संकेत तक भी सार्वजनिक नहीं किए हैं। ऐसा पत्र लिखना तो बहुत बड़ी बात है। यदि बंगाल में कोई कार्रवाई करनी है, तो उससे पहले मणिपुर पर भी सोचना पड़ेगा। उप्र, बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र को भी नहीं छोड़ सकते, हालांकि इन राज्यों में ऐसी अराजकता नहीं फैली और न ही संवैधानिक नाकामी जैसी टिप्पणियां अदालत को करनी पड़ीं। मणिपुर की स्थिति वाकई विस्फोटक और निर्वस्त्र रही है। वहां तो महिलाओं को वस्त्रहीन कर घुमाया गया है, बलात्कार की स्थितियां बाद में आती हैं। वहां तो शोषण और अत्याचार में महिलाएं ही महिलाओं के खिलाफ थीं। राष्ट्रपति को उस पर भी कुछ कहना चाहिए था। बहरहाल राष्ट्रपति ने अपने पत्र के जरिये कई बातें कही हैं। यदि हम वाकई सभ्य और शिक्षित, शालीन समाज हैं और हमारी आंखों में अब भी पानी शेष है, तो कमोबेश राष्ट्रपति के पत्र का कुछ पालन करना चाहिए।

हवस की आग में शर्मसार हुआ मलयालम सिनेमा

इस महीने के प्रारंभ में हेमा कमीशन के खुलासे ने केरल फिल्म उद्योग की चूलें हिला दी हैं। वहां पिछले दो सप्ताह से मीडिया और जनता की जुबान पर इस रिपोर्ट के अलावा कोई और बात नहीं है। मीडिया भले ही बढ़-चढ़ कर चीख रहा हो, पर भीतर का सच अभी पूरी तरह आना है। कभी पूरा आएगा, इसमें शक है। युवाओं की महत्वाकांक्षाओं का रसूख वाले लोग अपनी हवस पूर्ति के लिए दुरुपयोग करते हैं।

केरल की फिल्मों ने भारतीय फिल्मों को एक नई ऊंचाइयां दी हैं। हिन्दी फिल्म उद्योग को उसने चुनौती दी है। सबटाइटिल्स और डबिंग की सहूलियत के चलते आज देश-विदेश की अन्य भाषाओं का सिनेमा काफी हद तक आसान हुआ है। केरल के सिनेमा की थीम, कलाकारों की अभिमय कुशलता, कैमरावर्क, संगीत की सब ओर जमकर प्रशंसा हो रही है। मगर इस महीने के प्रारंभ में हेमा कमीशन के खुलासे ने केरल फिल्म उद्योग की चूलें हिला दी हैं। वहां पिछले दो सप्ताह से मीडिया और जनता की जुबान पर इस रिपोर्ट के अलावा कोई और बात नहीं है। मीडिया भले ही बढ़-चढ़ कर चीख रहा हो, पर भीतर का सच अभी पूरी तरह आना है। कभी पूरा आएगा, इसमें शक है। युवाओं की महत्वाकांक्षाओं का रसूख वाले लोग अपनी हवस पूर्ति के लिए दुरुपयोग करते हैं। किसी मजबूरी में समझौता करने वाले को भी सबसे पहले अपनी आत्मा गिरवी रखनी होती है। असल में सत्ताधारियों के कच्चे चिट्ठे की यह हेमा कमीशन रिपोर्ट साढ़े चार साल पहले यानी 2019 में आ गई थी।

अब आरटीआई के तहत केरल फिल्म इंडस्ट्री में इस रिपोर्ट के सार्वजनिक होने से पैंडोरा बॉक्स खुला है। पर क्या पूरा खुला है? नहीं, पूरा बॉक्स नहीं खुला है। हर क्षेत्र के सत्ताधारी बहुत शक्तिशाली होते हैं, चाहे वे राजनीति का क्षेत्र हो अथवा फिल्म या कोई अन्य विभाग क्यों न हो। कारण, अगर पूरी रिपोर्ट का खुलासा हो गया तो, कई लोगों की प्रतिष्ठा दांव पर लग जाएगी।

दरअसल, 315 पन्नों की रपट में कुछ पन्ने सरकार सार्वजनिक नहीं कर रही है। एक खबर के अनुसार न्यायालय ने 21 पैराग्राफ गुप्त रखने की बात कही है, मगर सरकार ने 128 पैराग्राफ नहीं दिखाए है। इस रिपोर्ट में मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में स्त्रियों से जुड़े यौन शोषण-अत्याचार तथा लिंग असामनता की बात विस्तार से आई है। रिपोर्ट के मुताबिक इन आरोपियों में कई सिने तथा कई सरकारी उच्च पदासीन शामिल हैं। बाकी के पन्ने भी सार्वजनिक करने की लड़ाई जारी है।

उत्तर भारत खासकर हिन्दी जनता को मलयालम सिनेमा और इसके कार्य प्रणाली की जानकारी नहीं के बराबर है। पर जो लोग इसके विषय में जानते हैं, इसे मुख्य रूप से अम्मा यानी एसोशिएसन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट(एएमएमए) संस्था चलाती है। यह संस्था पूरी तरह पुरुषसत्तावादी है। इससे असहमत होने वाले की खैर नहीं, चाहे वह स्त्री हो अथवा पुरुष। दस शक्तिशाली अभिनेताओं के समूह की गिरफ़्त में पूरा मलयालम सिने-जगत था। वरिष्ठ अतिकुशल अभिनेता तिलकन इसका एक उदाहरण रहे हैं। कहा जाता है कि आरोपी अभिनेता दिलीप होने को तो अम्मा का एक सामान्य सदस्य था, मगर उसकी खूब चलती थी।

एक रिपोर्ट के अनुसार- दिलीप ने एक अन्य स्त्री कलाकार का अपहरण कर उसका कार में बलात्कार करवाया था। कारण था एक अन्य स्त्री से संपर्क की बात इस बलत्कृता स्त्री ने दिलीप की पत्नी को बता दी थी। केस दर्ज होने पर दिलीप को सजा हुई, मगर वह कुछ महीनों में जेल से बाहर आ गया। मुकदमा चल रहा है। 'अम्मा' ने सजा के दौरान दिलीप की सदस्यता समाप्त कर दी थी, मगर जमानत पर छूटते ही उसे पुनः सदस्यता दे दी। सब लोग उस स्त्री का नाम जानते हैं, मगर बलत्कृता का नाम लेना न्याय विरुद्ध है। जो नियम नहीं जानते हैं, वे उसका नाम लेने की अनजाने में भूल करते हैं। केरल ने उन्हें 'अतिजीविता' नाम से अभिसिक्त किया हुआ है। क्योंकि खुद उनके अनुसार वे विक्टिम नहीं सर्वाइवर हैं।

इसी संदर्भ में मलयालम फिल्म उद्योग की कुछ स्त्रियां उठ खड़ी हुईं और उन्होंने स्त्रियों के प्रति होते अन्याय, रोकने केलिए, 'अम्मा' को चुनौती देती हुई इन कुछ स्त्री कलाकारों, पार्वती तिरुवोतु, अंजलि मेनन, रीमा कल्लिंगल, मंजु वारियर आदि ने मिल कर 2017 में 'वीमेन इन सिनेमा कलेक्टिव' (डब्ल्यूसीसी) की स्थापना की। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में लिंग समानता तथा सुरक्षा एवं यौनिक अत्याचार से बचाव के लिए यह संस्था प्रतिबद्ध है। डब्ल्यूसीसी के अथक परिश्रम फलस्वरूप केरल सरकार ने मलयालम सिने-जगत में स्त्रियों की समस्याओं का अध्ययन करने केलिए जस्टिस हेमा की अध्यक्षता में एक समिति बनाई। समिति ने कई लोगों की गवाही के बाद 2019 में अपनी विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंपी। रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद से डब्ल्यूसीसी संस्था स्त्रियों केलिए न्याय पाने केलिए फिर खूब से सक्रिय है।

अम्मा के खिलाफ मुहीम मुख्य रूप से एक अभिनेत्री पार्वती के चलते संभव हो रही है। वह डब्ल्यूसीसी की स्थापना के समय से अम्मा के अत्याचारों और शोषण को उजागर करने के लिए कटिबद्ध हैं। उनकी यह निर्भीकता काबिले तारीफ है। हां, अम्मा ने अवश्य अघोषित फतवा जारी किया हुआ था, जो डब्ल्यूसीसी से जुड़ा है, उसका कोई नाम नहीं लेगा, उससे संपर्क नहीं रखेगा और न ही उसे कोई काम दिया जाए। शायद इसीलिए कई साल से प्रतिष्ठित पुरस्कार पाने के बावजूद पार्वती तिरुवोतु मलयायलम की मुख्यधारा सिनेमा में नहीं के बराबर नजर आई हैं।

अम्मा की पुरुषसत्तात्मक कार्यप्रणाली से नाखुश होकर पार्वती ने काफी पहले उससे इस्तीफा दे दिया था। वे कुशल और सक्षम हैं, मात्र मलयालम सिनेमा पर ही निर्भर नहीं हैं। वे मलयालम के अलावा तमिल, तेलगु, कन्नड, हिन्दी फिल्मों में काम करती और सराही जाती हैं।

अब डब्ल्यूसीसी को हेमा कमेटी के खुलासे के लिए जिम्मेदार तथा अपराधी ठहराया जा रहा है। हां, सही है, हेमा कमीशन रिपोर्ट को आंदोलन बनाने में पार्वती का विशेष हाथ है। हालांकि डब्ल्यूसीसी की ही उनकी कुछ सो कॉल्ड शुभचिंतकों ने कहा, यदि इंडस्ट्री में रहना है, तो सोच-समझ कर कदम उठाएं। उनके लिए यह बहुत निराशाजनक था। पर वे पूरी तरह निराश नहीं हैं, पार्वती ने मलयालम फिल्म उद्योग में स्त्रियों की सुरक्षा केलिए कमर कसी हुई है। पार्वती तिरुवोतु ने न केवल विभिन्न मलयालम चैनल को इंटरव्यू दिए हैं वरन इंग्लिश चैनल पर भी अपनी बात कही है। पत्रकार बरखा दत्त से बात करते हुए वे कहती हैं- हेमा कमीशन की रिपोर्ट सार्वजनिक न होने से वे तकरीबन निराश हो चुकी थीं। मगर उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। अब रिपोर्ट का कुछ हिस्सा सार्वजनिक होने पर वे कह रही हैं-

मलयालम फिल्म उद्योग के जिन सत्ताधारी पुरुषों को सामने आकर स्त्रियों को न्याय दिलाने का काम करना चाहिए, वे कायरों की भांति मुंह छिपाए हुए हैं। कम-से-कम उन्हें स्त्रियों के साथ खड़ा होना चाहिए था। सरकार जो स्त्रियों की सुरक्षा और सम्मान का दावा करती है, ऐसा तो सब जगह होता है, कह कर सरकार के कई लोगों ने इसे हल्का बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

शक्ति संरचना सब स्थान पर है। मतलब यह मुद्दा कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। कुछ का कहना है, जिनके साथ अत्याचार-शोषण हुआ है, उन्होंने रिपोर्ट क्यों नहीं दर्ज की। सदा की तरह कुछ लोग स्त्रियों को उनके व्यवहार-पहनावे को दोष दे रहे हैं। वे भूल जाते हैं स्त्री का ऐसा कर पाना कितना कठिन होता है। और पूरी हेमा समिति का एक गठन एक स्त्री के केस दायर करने से ही प्रारंभ हुआ है।

इस रिपोर्ट खुलते केरल, विशेष रूप से मलयालम फिल्म उद्योग में तूफान आ गया। 17 स्त्रियों ने सामने आकर फॉर्मल शिकायत दर्ज की है। कई कलाकार स्त्रियां अम्मा के सचिव एवं अभिनेता सिद्दिक, एक्टर-एमएलए मुकेश के खिलाफ सामने आई हैं। हेमा रिपोर्ट जाहिर होने के बाद अम्मा के प्रेसीडेंट मोहनलाल की अगुआई में पदाधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया है। उनके तहत जांच पैनल बना था, उसे भी भंग कर दिया है।

सोनिया मल्हार, श्रीलेखा, रेवती संपत आदि स्त्री कलाकारों ने प्रड्यूसर रंजीत का नाम लेकर आरोप लगाए हैं। रंजीत का रेवती सम्पत के प्रति दुर्व्यवहार चर्चा में है। रेवती सम्पत ने स्वयं एक वेबसाइट पर अपनी बात कही है। एक पुरुष कलाकार ने भी रंजीत द्वारा अपने यौन दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। अभिनेत्री तथा डब्ल्यूसीसी से जुड़ी रीमा कल्लिंगल ने इन अत्याचार भुगती स्त्रियों के ट्रॉमा तथा उनके साथ खड़े होने की बात टीवी पर कही है।

केरल फिल्म इंडस्ट्री के इस आपातकाल में ऐसे भी लोग हैं, जिनके खिलाफ अभी तक इसी कोई शिकायत सामने नहीं आई है। जयराम, पृथ्वीराज सुकुमारन आदि कुछ ऐसे ही कलाकार हैं। फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े पृथ्वीराज सुकुमारन, जगदीश, टोविनो थॉमस जैसे पुरुष सामने आए हैं और उन्होंने हेमा रिपोर्ट में दोषी लोगों के साथ कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है। सब अत्याचारियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए है ऐसा अग्रणी-पुरस्कृत (इस साल की सर्वोत्तम अभिनेत्री का भी पुरस्कार पाने वाली) अभिनेत्री उर्वशी ने भी कहा है।

इसमें शक नहीं, केरल की हेमा रिपोर्ट के दूरगामी परिणाम होंगे। केरल के इस भूचाल ने कोलकाता को जगा दिया है। टाइम्स एंटरटेनमेंट ने 30 अगस्त 2024 को लिखा है, पश्चिमी बंगाल में मीनू मुनीर ने मलयाली एक्टर-पोलिटीशियन मुकेश एवं एक्टर जयसूर्या तथा एडवेला बाबू के विरुद्ध एक एफआईआर दर्ज की है। 100 स्त्री लेखक तथा एक्टिविस्ट ने नैतिकता के आधार पर मुकेश के इस्तीफे की मांग की है। कई अन्य सिने-संसार में लोगों को बोलने की हिम्मत मिलेगी।

अभी तक अम्मा पदानुक्रम व्यवस्था के अंतर्गत काम कर रही थी। वहां भय का वातावरण था। इस खुलासे से कई लोग जनता के बीच निर्वस्त्र हो गए हैं, कई लोगों के मुखौटे गिर गए हैं। स्त्री जब ठान लेती है तो पहाड़ उखाड़ फेंकती है, उसकी दहाड़ से जंगल कांप उठता है। पार्वती तिरुवोतु के अनुसार- वे आशा करती है, इन अत्याचारियों की कराल जकड़न से विमुक्त हो कर अम्मा को जल्द नई लीडरशिप मिलेगी और भविष्य में यह संस्था अपने सदस्यों की बेहतरी, सिने-स्त्रियों की सुरक्षा-सुविधाओं केलिए काम करेगी। मलयालम सिने-जगत को अम्मा एक नई ऊर्जा, नई ऊंचाई पर जाएगी।

मिस इंडिया विवाद सियासी शतरंज पर एक और चाल, भविष्य में असुरक्षित महसूस कर सकते हैं कांग्रेस के सहयोगी

राहुल गांधी अपने शब्दों से लोगों का ध्यान खींचते हैं। वह जो कुछ भी बोलते हैं, वह खबर बन जाती है। आप पाएंगे कि कई राजनेता निजी तौर पर कभी-कभी यह स्वीकार करते हैं कि वह विवादों के कारण आगे बढ़े हैं, क्योंकि विवाद उन्हें खबरों में बनाए रखता है! हाल ही में प्रयागराज में संविधान सम्मेलन में दिए गए राहुल के एक बयान पर विवाद छिड़ गया, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने मिस इंडिया की सूची खंगाली, ताकि पता चल सके कि उसमें दलित, आदिवासी या ओबीसी महिलाएं हैं या नहीं। उस सूची में एक भी नहीं थी। उनके बयान का यह मतलब निकाला गया कि वह मिस इंडिया के प्रतिभागियों में भी आरक्षण के पक्ष में थे। इस पर छिड़ी बहस में जब महिलाएं और राजनीतिक दल शामिल हुए, तो उनमें से कुछ ने मिस इंडिया प्रतियोगिता में आरक्षण को जरूरी बताया, तो कुछ ने इसका विरोध किया। लेकिन इस बहस फिर से राहुल को दलित और ओबीसी राजनीति के केंद्र में ला दिया, जिसकी अब वह अगुआई करना चाहते हैं। बहुत कम लोग इस पर सवाल उठाएंगे कि सभी जातियों और समुदायों की महिलाओं को मिस इंडिया जैसी प्रतियोगिता में भाग लेने का अधिकार है, और यह भी कि इसमें सभी महिलाओं के लिए समान अवसर होना चाहिए। फिर यह सवाल उठता है कि समाज में आरक्षण का दायरा कितना है? इस समय सरकारी नौकरियों एवं उच्च शिक्षा संस्थानों में एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण है और विधायिकाओं में एससी एवं एसटी के लिए आरक्षण है। समय-समय पर मांग उठती रहती है कि आरक्षण को निजी क्षेत्रों में भी लागू किया जाए। परोक्ष रूप से मिस इंडिया प्रतियोगिता में आरक्षण की वकालत करके राहुल यह संकेत भी दे रहे हैं कि इसे निजी क्षेत्र में लागू किया जाना चाहिए। दलित-वंचित लोगों को आगे बढ़ने का अवसर देने के लिए संविधान ने सामाजिक रूप से (जातिगत भेदभाव के कारण) एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े लोगों (आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के लिए नहीं) के लिए आरक्षण का प्रावधान किया है। लेकिन क्या किसी को जाति के आधार पर पूरे समाज की संरचना करने का मामला बनाना चाहिए, जिससे समूहों को उनकी आबादी के अनुपात में लाभ मिले? ऐतिहासिक गलतियों को सुधारने के लिए सुधार के उपाय किए जाने चाहिए, लेकिन संघर्ष के कारण समाज में दरार न पड़े, इसके लिए संतुलन और बीच का रास्ता भी होना चाहिए। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण के लिए 50 फीसदी की सीमा तय की थी, हालांकि कई राज्यों ने इससे ज्यादा आरक्षण का प्रावधान कर दिया। सबसे पहले, जब हम महिलाओं को उनका हक दिलाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं, राहुल गांधी, नरेंद्र मोदी और अन्य नेता भी महिलाओं और अनुसूचित जातियों, जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्गों की आकांक्षाओं को महसूस कर रहे हैं, तो पहले राजनीतिक दलों को अपनी ईमानदारी साबित करने दीजिए। उन्हें अपने राजनीतिक संगठन में 50 फीसदी महिलाओं को लाने दीजिए। वे उन्हें पर्याप्त टिकट दें, ताकि 50 फीसदी महिलाएं (और उनमें से ज्यादा एससी, एसटी और ओबीसी) लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभाओं में चुनकर आ सकें और सरकार में महिलाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके। यह सब राजनेताओं के ही हाथ में है, जो उनके बारे में इतनी बातें कर रहे हैं। दूसरा, दलित, आदिवासी और ओबीसी महिलाएं पैसे और संपर्कों की कमी के कारण मिस इंडिया प्रतियोगिता में नहीं पहुंच पाई हैं। इसका जाति से ज्यादा वर्ग से संबंध है। भारत में आयोजित होने वाली सौंदर्य प्रतियोगिताओं की प्रवृत्ति जितना सौंदर्य के बारे में पश्चिमी विचारों को उजागर करने की है, उतना भारतीय विचारों की नहीं। हालांकि राहुल इस ओर ध्यान नहीं देते हैं, क्योंकि वह जीवन के हर क्षेत्र में एससी-एसटी-ओबीसी की मौजूदगी की कमी पर ध्यान केंद्रित करते हैं। राहुल गांधी ने-और यह भाजपा एवं अन्य पार्टियों के लिए भी सच है- सामाजिक रूप से दबे-कुचले लोगों को ऊपर उठाने के लिए आरक्षण की वकालत सही ढंग से की है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि ये पार्टियां एससी, एसटी के अधिक जरूरतमंद लोगों तक आरक्षण का लाभ पहुंचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुझाए गए उप-वर्गीकरण को स्वीकार करने में अनिच्छुक हैं। प्रमुख जातियां आरक्षण का लाभ अपने कम भाग्यशाली भाइयों से साझा नहीं करना चाहती हैं और राजनीतिक दल अनुसूचित जातियों के प्रमुख समूहों (जैसे जाटव) के वोट खोना नहीं चाहते हैं। साफ है कि राहुल गांधी ने मंडल-2 कार्ड खेलने का फैसला किया है, और जाति जनगणना की मांग उसी राजनीति का हिस्सा है। उन्हें उम्मीद है कि वह इन उभरते समूहों के बीच पनप रही आकांक्षा क्रांति के अगले चरण का लाभ उठाएंगे और उनकी आवाज बनेंगे। 1990 में विश्वनाथ प्रताप सिंह ने मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू करके भारतीय राजनीति को हमेशा के लिए बदल दिया। राजीव गांधी ने उस फैसले का विरोध किया था, क्योंकि उन्हें डर था कि इससे %जाति युद्ध% छिड़ सकता है। लेकिन राहुल दूसरे रास्ते पर चल रहे हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का जाति कार्ड काम कर गया। इससे भाजपा हैरान रह गई। पिछले दस वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने कभी बनिया-ब्राह्मणों की पार्टी कही जाने वाली भाजपा में ओबीसी, खास तौर पर अत्यंत पिछड़ी जातियों (ईबीसी), आदिवासी और दलितों के एक वर्ग को शामिल किया। लेकिन आरक्षण खत्म होने के भय से दलितों का एक वर्ग इंडिया गठबंधन के खेमे में चला गया और वैसा ही उत्तर प्रदेश में ईबीसी ने किया। इसने भाजपा को स्पष्ट बहुमत से वंचित कर दिया, जिसके चलते पार्टी को फैसले लेने में परेशानी हो रही है और उसे अपने कई फैसले वापस लेने पड़े हैं। लगता है कि पार्टी को 2024 के अप्रत्याशित नतीजों ने बेचैन कर दिया है। मोदी-3 के सामने चुनौती अपनी ताकत कम होने की नहीं है; बल्कि नई परिस्थितियों के अनुसार कामकाज का परामर्शी तरीका अपनाना है। साथ ही, ओबीसी-दलितों को वापस अपने पाले में लाना है, जो दूसरी तरफ चले गए हैं। मिस इंडिया विवाद सियासी शतरंज पर राहुल गांधी की एक और चाल है, ताकि दलित, आदिवासी और ओबीसी को अपनी पार्टी के पक्ष में लामबंद किया जाए। यह किस हद तक काम करेगा, यह देखने वाली बात होगी। उत्तर भारत में ओबीसी कांग्रेस का पारंपरिक मतदाता नहीं रहा है। यह सपा और राजद का वोटबैंक रहा है, जो आज कांग्रेस के सहयोगी हैं, जिन्हें आने वाले समय में इस राजनीति से खतरा महसूस हो सकता है।

अनूपपुर में पिकअप में अवैध अंग्रेजी शराब का परिवहन करने पर पुलिस ने की कार्यवाही

60 लीटर बीयर एवं 72 लीटर गोवा अंग्रेजी शराब, कीमत 900000 बरामद

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, जिले के बिजुरी पुलिस को मुखबिर की सूचना प्राप्त हुई कि एक चार पहिया टाटा योद्धा पिकअप रजिस्ट्रेशन क्रमांक एमपी 65 जी ए 1799 में अवैध अंग्रेजी शराब राजनगर से मेंनटोला टोल प्लाजा तरफ परिवहन कर ले जा रहा है जिस सूचना पर रेड कार्यवाही कर बिजुरी पुलिस द्वारा घेराबंदी कर उक्त पिकअप वाहन को पकड़ा गया जिसकी तलाशी ली गई उक्त पिकअप वाहन में 60 लीटर बीयर एवं 72 लीटर गोवा अंग्रेजी शराब कुल 132 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब मौके पर बरामद की गई संपूर्ण रेड कार्रवाई में ?900000 का मशरूका आरोपीगणों से बरामद किया गया तथा आरोपीगण राजेश कुमार साहू पिता जगन्नाथ साहू उम्र 35 वर्ष निवासी बाजार दवाई राजनगर एवं महेंद्र कहार पिता स्व. करण सिंह कहार उम्र 33 वर्ष निवासी नरसिंहपुर के विरुद्ध थाना में अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया जाकर अनुसंधान किया जा रहा है एवं आरोपीगणों को माननीय न्यायालय में जेआर पर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है उक्त रेड कार्यवाही में थाना प्रभारी बिजुरी निरीक्षक विकास सिंह, उप निरीक्षक उदित नारायण मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक प्रदीप अग्निहोत्री, सहायक उप निरीक्षक कमलेश तिवारी, प्रधान आरक्षक 171 सतीश मिश्रा, आरक्षक 504 लक्ष्मण डांगी, आरक्षक 528 प्रभाकर त्रिपाठी, आरक्षक 304 रवि सिंह एवं चालक आरक्षक 264 अनिल मरावी का उल्लेखनीय भूमिका रही।

दुष्कर्म का आरोपी प्राचार्य को पुलिस ने किया गिरफ्तार, न्यायालय ने भेजा जेल

गिरफ्तारी के लिए एसपी ने बनाई थी 11 सदस्यीय टीम, 35 हजार का था इनाम

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, गुरू-शिष्य के पवित्र रिश्ते को तार-तार करने वाले माध्यमिक शिक्षक पीटीआई प्रभारी प्राचार्य खमरौध 51 वर्षीय उदय नारायण सिंह बघेल पिता स्व. शंकर सिंह निवासी एमपीईबी कॉलोनी शहडोल को गिरफ्तार करते हुए न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। ज्ञात हो कि मामला संगीन व अति संवेदनशील होने तथा पीडित छात्रा द्वारा 48 घंटे में आरोपित प्राचार्य की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान ने आरोपी को पकड़ने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी के नेतृत्वा में 11 सदस्यीय एसआईटी टीम का गठन किया गया था। जो लगातार हर संभावित ठीकानो में दबिश देते हुए शहड़ोल-अनूपपुर मुख्य मार्ग से गिरफ्तार किया गया। ज्ञात हो कि इसे पकड़ने के लिए आईजी शहडोल ने 30 हजार एवं पुलिस अधीक्षक ने 5 हजार रूपयें के पुरस्कार देने की घोषणा की थी। दुष्कर्म का आरोपित के गिरफ्तार होने पर 29 अगस्त को पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान ने पुलिस कार्यालय सभागार में पत्रकार वर्ता में छात्रा से दुष्कर्म के आरोपित प्रभारी प्राचार्य की गिरफ्तारी के संबंध जानकारी दी। उन्होने बताया कि छात्रा कक्षा 12वीं की ओपन परीक्षा फार्म भरने के लिए 23 अगस्त की दोपहर लगभग 4 बजे थाना करनपठार अंतर्गत शासकीय उमा. विद्यालय खमरौध में प्रभारी प्राचार्य उदय नारायण सिंह बघेल से मिली थी। जहां छात्रा को फार्म भरवाने के नाम पर अपने चार पहिया वाहन से शहडोल ले जाने के लिए निकले और छात्रा को दलदली गांव के स्कूल और वहां से पड़मनिया स्कूल पुराना विद्यालय भवन ले जाकर छात्रा को पहले जबरन शराब पिलाई और उसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया और 24 अगस्त की दोपहर लगभग 12 बजे मुझे शहडोल में छोड़ दिया। जहां से बस में बैठकर अपने घर शाम को पहुंची और अपने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी देते हुए 26 अगस्त को करनपठार थाना पहुंचकर प्रभारी प्राचार्य के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराई। पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान ने बताया कि आरोपी प्रभारी प्राचार्य की गिरफ्तारी हेतु हर संभावित स्थानों पर दबिश दी गई थी, लेकिन आरोपी उदय नारायण सिंह बघेल का उनके परिवार एवं सोसाइटी में काफी विवादित होने के कारण टीम को उसकी गिरफ्तारी के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ी। इसके साथ ही एसपी ने शासकीय उमा. विद्यालय पड़निया पहुंचकर वहां अध्यनरत छात्र-छात्राओं को लैंगिक अपराधों के प्रति जागरूक भी किया गया है।

जिला चिकित्सालय का कलेक्टर, जिपं. सीईओ ने किया औचक निरीक्षण

आर्थोपेडिक सर्जन मिले अनुपस्थित, शोकॉज नोटिस जारी करने दिए निर्देश

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, कलेक्टर हर्षल पंचोली तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ए.के. अवधिया, सिविल सर्जन डॉ. सत्यभामा अवधिया उपस्थित थे। कलेक्टर ने औचक निरीक्षण के दौरान ओपीडी पंजीयन तथा जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा मरीजों को अटेन्ड करने की व्यवस्थाओं का परीक्षण किया। जिला चिकित्सालय में आर्थोपेडिक सर्जन के अनुपस्थित मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए उन्हें शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि चिकित्सकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित हो। अगर कोई कार्य में लापरवाही बरतता है, तो उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाए। कलेक्टर ने ओपीडी की बेहतर व्यवस्था बनाए जाने के संबंध में सिविल सर्जन को निर्देश दिए। उन्होंने कहा ओपीडी पंजीयन पर्ची में मरीजों को किस चिकित्सक से कौन से कक्ष में उपचार हेतु सम्पर्क करना है का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। ओपीडी पंजीयन के विरुद्ध संबंधित मरीज चिकित्सक के कक्ष पर पहुंचे की नही इसका रजिस्टर भी संधारित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ओपीडी पंजीयन कक्ष के समीप प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र के संचालन के लिए आवश्यक संसाधनों के निर्देश सीएमएचओ तथा सिविल सर्जन को दिए। कलेक्टर ने ओपीडी व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश देते हुए प्रतिदिन कार्यों का रिव्यू कर व्यवस्थाओं में सुधार लाने की बात कही। उन्होंने निरीक्षण के दौरान महिला प्रसव वार्ड का निरीक्षण करते हुए मरीजों के उपचार, दवाईयों, जांच आदि के मैकेनिजम को और दुरुस्त कर सुलभ व्यवस्था मरीजों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय चोई मे मनाया गया मेजर ध्यान चंद जी का जन्मदिन

राष्ट्रीय खेल दिवस पर रैली एवं खेलकूद सम्पन्न, विजेता बालक-बालिकाओं को सम्मानित किया गया

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय निर्देशानुसार जिला अनूपपुर के कलेक्टर हर्षल पंचोली जिला अनूपपुर , पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रभारी जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी इसरार मंसूरी एवं संयुक्त कलेक्टर एसडीएम जैतहरी अंजली द्विवेदी इन सभी वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देश में कार्यक्रम के आयोजक दिनेश कुमार सिंह चंदेल विकासखंड समन्वयक विकासखंड जैतहरी खेल एवं युवा कल्याण विभाग ग्रामीण विभाग केंद्र जैतहरी स्टेट रेफरी नेशनल ट्रेनर के द्वारा दिनांक 29 अगस्त 2024 को शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय चोई मैं राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया सबसे पहले गांव में रैली निकाली गई मेजर ध्यानचंद अमर रहे हॉकी के जादूगर अमर रहे 29 अगस्त अमर रहे फिट इंडिया ठीक इंडिया आदि नारे लगाए गए इसके बाद लड़के लड़कियों का अलग-अलग मिनी मैराथन दौड़ कराया गया इसके बाद लंबी कूद ऊंची कूद लेमन दौड़ कुर्सी दौड़ मेंढक दौड़ रस्सी कूद खो-खो एवं रस्सा कसी की प्रतियोगिता कराई गई इन सभी प्रतियोगिताओं में अच्छे एवं विजेता खिलाड़ियों को लगभग 25 मेडल देकर सम्मानित किया गया एवं अतिथियों को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भूपेंद्र सिंह जिला पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत अनूपपुर के स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास के सभापति एवं अध्यक्षता नगर निरीक्षक थाना प्रभारी जैतहरी आर के धारियां एवं विशिष्ट अतीत के रूप में थाना जैतहरी के उप निरीक्षक सरिता लकड़ा एवं प्रधान आरक्षक लेखनवती प्रधान आरक्षक विनय त्रिपाठी आरक्षक चालक जयसवाल एवं चोई विद्यालय के प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश राठौर शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय चोई के माध्यमिक शिक्षक एवं क्रीड़ा प्रभारी हिमांशु सिंह एवं खाका अतिथि शिक्षक जानकी राठौर पीटीए अध्यक्ष एवं पूर्व उपाध्यक्ष रिटायर्ड फौजी राम लखन राठौर एवं विकासखंड समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग ग्रामीण युवा केंद्र जैतहरी एवं स्टेट रेफरी नेशनल ट्रेनर और आयोजन दिनेश कुमार सिंह चंदेल एवं गांव के विजय भाई और गांव के गणमान्य नागरिक बंधु मंच पर उपस्थित रहे खेल के अलावा मंच पर पर सामूहिक नृत्य भी कराई गई कार्यक्रम में बच्चों को कैसे आगे बढ़ाना है कैसे आगे चलना है उसके बारे में उप निरीक्षक जैतहरी सरिता लकड़ा के द्वारा बताया गया एवं नगर निरीक्षक जैतहरी आर के धारियां कार्यक्रम की भर भर प्रशंसा की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भूपेंद्र सिंह ने कहा की जब मेजर ध्यानचंद जी स्टिक लेकर चलते थे तो बाल को गल करके ही आते थे इसी कारण में हॉकी के जादूगर कहा गया यह कार्यक्रम जो दिनेश कुमार सिंह चंदेल विकासखंड समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग विकासखंड जैतहरी एवं ग्रामीण युवा केंद्र जैतहरी स्टेट रेफरी नेशनल ट्रेनर द्वारा कराया गया एवं सहयोग में शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय चोई के समस्त स्टाफ एवं बच्चों एवं ग्रामीण जन लोग लोग बधाई के पत्र इसी तरह आप लोग कार्यक्रम करवाते रहें हम आपके साथ में कम कार्यक्रम के सहयोग में शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश राठौर एवं माध्यमिक शिक्षक एवं कीड़ा प्रभारी हिमांशु सिंह चंदेल अतिथि शिक्षक जानवी राठौर एवं खाका सर एवं मुन्नीलाल पाटिल पालक संघ के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष समस्त बालक बालिकाओं एवं चोई के नागरिकों को जाता है कार्यक्रम का भव्य मंच संचालन दिनेश कुमार सिंह चंदेल विकासखंड समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग विकासखंड जैतहरी ग्रामीण युवा केंद्र जैतहरी स्टेट रेफरी नेशनल ट्रेनर द्वारा किया गया आभार व्यक्त भी इन्हीं के द्वारा किया गया.

'उमरा' हेतु वालिदैन सहित रवाना हुई रोशना

अपने शिक्षक को कहा 'शुक्रिया'

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, एक बेटी ने कुछ वर्ष पूर्व सरकारी नौकरी पाने के बाद संकल्प किया था कि वह अपने माता-पिता को अपने खर्च पर 'उमरा' हेतु लेकर जाएगी, और अंततः वह दिन आ गया जब वह अपने माता-पिता सहित 'उमरा' करने शुक्रवार सुबह सऊदी अरब के लिए रवाना हो गई। बात हो रही है लालबर्रा स्थित प्रतिष्ठान सिटी स्टील के संचालक मोहम्मद जमील मंसूरी की छोटी साहबजादी रोशना मंसूरी की। आज से चार-पांच वर्ष पूर्व रोशना ने मध्यप्रदेश विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर में सरकारी नौकरी पाई। उस समय उन्होंने संकल्प किया कि वह अपनी माता श्रीमती रेहाना मंसूरी और पिता मोहम्मद जमील मंसूरी को अपने पैसों से 'उमरा' हेतु मक्का लेकर जाएगी। इस हेतु उन्होंने अपनी सैलरी से नियमित बचत करना प्रारंभ किया। अपने और अपने माता-पिता की पासपोर्ट संबंधी औपचारिकताएं पूर्ण की और जब पर्याप्त बचत और तमाम तैयारियां पूरी हो गई तो उन्होंने यात्रा हेतु अपनी अंतिम तैयारियां की। रोशना ने अपनी सरकारी नौकरी की तैयारी जिस शिक्षक डामेन्द्र धानेश्वर के मार्गदर्शन में पूर्ण की थी, उनका शुक्रिया अदा करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने वह विगत दिवस उनकी एकेडमी पहुंची। मौजूदा विद्यार्थियों को अपनी ओर से स्वादिष्ट नाश्ता करवाया और अपने शिक्षक का इस बात के लिए भरे गले से आभार माना कि उनकी शिक्षा की बदौलत आज वह इस मुकाम पर है जिसकी वजह से वह अपने माता-पिता को अपने खर्चे पर 'उमरा' जैसी पवित्र यात्रा करवाने में सक्षम हुई है। सभी विद्यार्थियों ने पवित्र यात्रा हेतु रोशना को अपनी ओर से शुभकामनाएं दी। इसके पश्चात् रोशना के घर पर भी मिलन सह भोज कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें समाज एवं बिरादरी के लोग उपस्थित हुए और उनकी यात्रा हेतु उनके माता-पिता को अपनी स्नेहिल शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि उमरा इस्लाम में एक महत्वपूर्ण धार्मिक यात्रा है, जिसे मुसलमान अपने जीवन में कम से कम एक बार करने का लक्ष्य रखते हैं। उमरा करने से मुसलमान अपने को अल्लाह के करीब महसूस करते हैं और अपनी आस्था को मजबूत करते हैं।

जिले के प्रभारी मंत्री राव उदय प्रताप सिंह का कजंई में सरपंच आनंद बिसेन ने किये स्वागत

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह का लालबर्रा के प्रवेश द्वार कजंई में जैसे ही प्रथम आगमन हुआ सर्वप्रथम उनके द्वारा मंदिर में जाकर पूजा कर आशिर्वाद प्राप्त किया गया तत्पश्चात कजंई पंचायत के सरपंच श्री आनंद बिसेन जी के नेतृत्व में बाजा गाजा आतिशबाजी साल श्रीफल के साथ स्वागत किया गया तथा माता रानी को सरपंच जी ने माननीय मंत्री जी के द्वारा चुनरी चढ़ाई गई और ग्राम पंचायत की ओर से एक पीपल का वृक्ष उन्हें भेट कर उनसे लेकर कल मंदिर प्रांगण में लगवाया जाएगा इस अवसर पर सरपंच बिसेन ने ग्राम के दो महत्वपूर्ण कार्य हायर सेकेंडरी स्कूल भवन और घेली जोड़ी मोक्षधाम नाला पर वृहत पुल निर्माण हेतु माननीय मंत्री जी से आवश्यक चर्चा कर उन्हें पत्र प्रेषित किया इस अवसर पर पूर्व मंत्री गण, जिले के बहुत से गणमान्य नागरिक अपर कलेक्टर,एसडीम वारासिवनी, तहसीलदार लालबर्रा,आरटीओ अधिकारी,पुलिस प्रशासन व पूर्व सरपंच बालकृष्ण बिसेन,डॉ हुकुमचंद ठाकरे,आशीष बिसेन, प्राचार्य नागेश ,प्रधान पाठक सुरेश डहाते और हमारे स्कूल शिक्षा विभाग के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं वन विभाग वन विकास निगम के कर्मचारी गण आसपास के ग्राम पंचायत के सरपंच गण भी उपस्थिति रहे।

लालबर्रा पहुंचे बालाघाट प्रभारी मंत्री,राव उदय प्रताप सिंह

दो घण्टे देरी से पहुंचे, कल होंगे जिला समिति की बैठक में शामिल

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री नियुक्त के बाद जिले में प्रथम नगरागमन होने पर बालाघाट जिले के प्रवेश नगर लालबर्रा नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में तेज बारिश होने के बाद महज दो मिनट रुककर कार्यकर्ताओं से मुलाक़ात कर बालाघाट के लिए रवाना हो गए।आपको बता दे कि प्रभारी मंत्री अपने नियत समय से दो घण्टे देरी से पहुंचने के कारण एवं व्यस्तता के चलते उनसे मिलने गए अतिथि शिक्षक संघ,यात्री बस परिवहन संघ के प्रतिनिधि मंडल अपने हाथ में मांग पत्र लिए खड़े दिखाई दिए वहीं मंत्री राव को मांग पत्र सौंप नहीं पाए।इस दौरान लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे,पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा महाराष्ट्र पालघर से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से निर्मित विभिन्न संरचनाओं का किया गया वर्चुअली उद्घाटन

सरोज रानी रैकवार द्वारा निर्मित हाईजैनिक फिश कियोस्क का किया गया उद्घाटन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा महाराष्ट्र पालघर से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से निर्मित विभिन्न संरचनाओं का वर्चुअली उद्घाटन किया गया, जिसमें दमोह जिले से पटेरा निवासी सरोज रानी पति हीरालाल रैकवार द्वारा निर्मित हाईजैनिक फिश कियोस्क का उद्घाटन किया गया। जिसमें हितग्राही को 6 लाख की अनुदान राशि डीबीटी के माध्यम से हितग्राही के खाते में प्रदान की गई। उक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण फिश कियोस्क में किया गया, जिसमें आसपास की मछुआ सहकारी समितियों के सदस्य एवं मत्स्य कृषक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि बद्री पटेल, भरत पटेल, विशिष्ट अतिथि मोहन ताम्रकार, गोविंद चौरसिया एवं विभाग की ओर से सहायक संचालक मत्स्य उद्योग सुरेंद्र कुमार कुर्मी, पटेरा विकासखंड प्रभारी मत्स्य निरीक्षक ऋषिकांत पाठक एवं जनपद पंचायत पटेरा से मुख्य कार्यपालन अधिकारी भूरे सिंह रावत उपस्थित रहे।

मृत्यु उपरांत 6 घंटे के अंदर नेत्रदान किया जा सकता है

जागरूकता के लिये निकाली गई रैली नेत्रदान पखवाड़ा 08 सितम्बर तक

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, प्रदेश में नेत्रदान पखवाड़ा मनाया जा रहा है इसी उद्देश्य को लेकर लोगों को नेत्रदान करने के प्रति जागरूक करने जिला अस्पताल से एक रैली निकाली गई। रैली को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुकेश जैन एवं सिविल सर्जन डॉ. राकेश राय ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुकेश जैन ने बताया पूरे प्रदेश में नेत्र पखवाड़ा मनाया जा रहा है, लोगों से अपील की जा रही है, कि वह मृत्यु उपरांत नेत्रदान करें, जिससे जिन लोगों को दिखाई नहीं देता है, उन्हें हम रोशनी प्रदान कर सकें। उन्होंने बताया नेत्रदान में लोगों को यह भ्रांति है कि पूरी आंख निकाली जाती है ऐसा नहीं है नेत्रदान में पलकों पर जो काली पारदर्शी परत रहती है, पुतली के ऊपर सिर्फ उसी को लिया जाता है, यह पारदर्शी पर्दा है, जिससे हम आर पार देख सकते हैं, कई बार चोट लगने पर एक सफेदी आ जाती है

जिससे दृष्टि बाधित हो जाती है, उसको बदल देते हैं। इसमें ऐसा कुछ भी नहीं है की पूरी आंख निकाली जाती है, सिर्फ पारदर्शी भाग ही निकल जाता है। यह बहुत ही पुण्य का काम है, हमारी मृत्यु के बाद यदि किसी को रोशनी मिल सकती है, तो इससे बड़ा पुण्य का काम क्या हो सकता है। सीएमएचओ डॉ जैन ने लोगों आग्रह करते हुए कहा जीते जी रक्तदान करें, लोगों में रक्तदान के प्रति भ्रांति है कि बहुत सारा खून ले लिया जाता है, मात्र 175 एम.एल. खून लिया जाता है, जो कि किसी वास्तविक जरूरतमंद के काम में आता है। उन्होंने कहा आवश्यकता पड़ने पर स्वस्थ व्यक्ति कभी भी रक्तदान कर सकता है, 3 महीने में कभी भी कर सकता है। सिविल सर्जन डॉ. राकेश राय ने बताया नेत्रदान पखवाड़ा चल रहा है जो की 25 अगस्त से 8 सितंबर तक चलेगा। आमजन को जागरुक किया जा रहा हैं की नागरिक आगे आकर जो चिन्हित व्यक्ति हैं जिनकी दृष्टि बाधित हो चुकी है, उन्हें नेत्रदान करेंगे। उन्होंने बताया मृत्यु उपरांत 6 घंटे के अंदर नेत्र दान किया जा सकता हैं। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुए कहा कि इसमें सहयोग करें और जनहित में कार्य किया जाये।

नेत्रदान पखवाड़ा 08 सितम्बर तक

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक ने बताया नेत्रदान पखवाड़ा 08 सितम्बर तक मनाया जायेगा। जिसके तहत जिले वासियों से नेत्रदान करने का आग्रह किया जा रहा है। उन्होंने बताया सभी उम्र के लोग नेत्रदान कर सकते है, मृत्यु उपरांत 06 घंटे के अंदर नेत्र दानकर आईबैंक, भेजना चाहिए जिससे उसका समय पर प्रत्यारोपण हो सके, नेत्रदान महज 15 मिनिट की प्रक्रिया है। उन्होंने बताया एड्स, हेपेटाईटिस और रैबीज सेप्टीसीमिया, रक्त कैंसर, हैजा एवं मेनिनजायटिस से संक्रमित व्यक्ति नेत्रदान नही कर सकते है। बी.पी. अस्थमा मधुमेह जैसी बीमारी से पीड़ित व्यक्ति नेत्रदान कर सकते है। परिवार नेत्रदान के लिए सहमति दे सकते है। उन्होंने कहा जीते जी रक्तदान एवं मृत्यु उपरांत नेत्रदान जरूर करना चाहिए।

दमोह के शीतेश जैन ने एक बार फिर रक्तदान कर की गयी मरीज की सहायता

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, मिशन अस्पताल दमोह में भर्ती चौपरा निवासी पुष्पा सोनी जी के लिए रेयर ब्लड ग्रुप ए नेगेटिव , - ब्लड की आवश्यकता की जानकारी मरीज के परिजनों का फोन पर प्राप्त होने के पश्चात शासकीय अस्पताल पहुँच कर शीतेश जैन ने रक्तदान किया। शीतेश जैन कई वर्षों से रक्तदान करते आ रहे है, आज उन्होंने 29 वी बार रक्तदान किया है । उन्होंने रक्तदान के समय बताया कि रेयर ग्रुप होने के कारण लोगो को रक्त की आवश्यकता पड़ने पर कठिनाई का सामना करना पड़ता है, ऐसे में वह रक्तदाता जिनका रेयर ग्रुप है वह रक्तदान कर लोगो की सहायता करते है । उनका कहना हे की भगवान ने उन्हें रेयर ग्रुप तो दिया ही साथ ही इतनी हिम्मत और संबल प्रदान किया हे जिससे रक्तदान कर पाते हे। मेरी माँ पिता जी और मेरी पत्नी रक्तदान करने

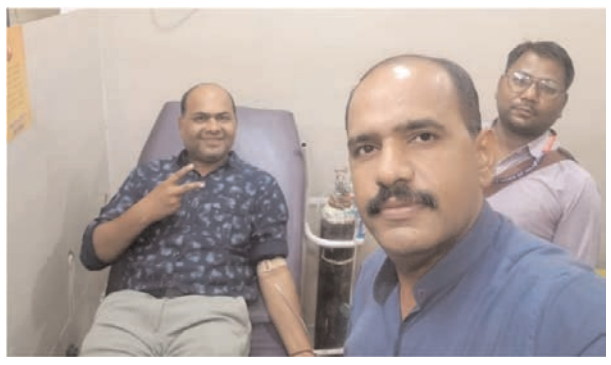

पर मुझे सपोर्ट करते हे ,और भगवान से यह भी प्रार्थना करते हे की किसी को रक्त की आवश्यकता ना पड़े। शीतेश जैन ने कहा की जब मरीज बीमार पड़ता हे और उसे रक्त की आवश्यकता पड़ती हे तो उसकी पूर्ति मरीज के सामाजिक सम्पर्क जैसे परिजन, रिश्तेदार, पड़ोसी और दोस्तों के माध्यम से इसकी पूर्ति होती रहे तो रक्त की कमी नहीं होगी। हम सभी को चाहिए की हम अपने परिचितों को आवश्यकता पड़ने पर जरूर रक्तदान करें। खास तौर पर युवाओ को आगे आकर निरंतर समय समय पर रक्तदान करते रहे जिससे रक्त की कमी ना हो । इस अवसर पर रक्तदान समिति सदस्य जो निरंतर रक्तदान करते रहते हे और लोगो को रक्तदान के प्रति प्रेरित करते रहे हे रक्तदानी दीपक जैन ए प्लस एवं परिवर्तन हेल्थ एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी NGO के प्रमुख धीरज कुमार ने उपस्तिथ रहकर सम्बल बढ़ाया।

दमोह में जिला स्तरीय कार्यकर्ता गोष्टी एवं समन्वय समितियां का हुआ आयोजन

आपकी जिम्मेदारी ज्यादा है क्योंकि आपने पीले कपड़े पहने हुए हैं

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, गायत्री शक्तिपीठ दमोह में आयोजित जिला स्तरीय कार्यकर्ता गोष्ठी एवं समन्वय समितियां के सदस्यों के मध्य उक्त विचार प्रकट करते हुए मध्य प्रदेश जोन के सह समन्वयक कृष्णा शर्मा ने कार्यकर्ताओं से कहा की गुरुदेव ने स्वयं अपने श्री मुख से कार्यकर्ताओं से कहा था कि आप मेरे अंग अवयव हैं और आप सब लोग गुरुदेव के वसीयत की उत्तराधिकारी भी है। आपने उनकी आज्ञा मानकर समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ जन जागरण किया है और इसके लिए उन्होंने आपको यह पीला केसरिया बाना पहनाया है , जिसकी ओर आज आज सारी मानवता निहार रही है। मनुष्य में देवत्व का उदय हो और धरती पर स्वर्ग का अवतरण हो इतने विशाल उद्देश्य को लेकर गायत्री परिवार के कार्य कर्ता सारी दुनिया में अच्छाइयों का प्रचार प्रसार ईश्वर आराधना मानकर कर रहे हैं । अत: स्वाभाविक है कि जब मानवता के सामने ऐसा विकट समय आ गया हो तब सभी मनुष्य गायत्री परिवार की ओर आशा भरी निगाहों से देख

रहे हैं और हमें इस बात को प्रमाणित करना है कि हम बिना किसी भेदभाव के मानवता के ऊपर मंडरा रहे भीषण संकट को दूर कर सकते हैं इस कार्यक्रम में जिले भर से और और सभी तहसीलों से सैकड़ो की संख्या में भाई बहन उपस्थित थे सागर जॉन के शहर समन्वयक दिनेश दुबे ने भी पूरे संभाग भर में चल रही रचनात्मक गतिविधियों के बारे में सभी को बतलाया। इस गोष्ठी मै सातों तहसील के जिला समन्वयक जिला संयोजक तहसील समन्वयक उपस्थित रहे । इसमें दमोह से जिला संयोजक बी पी गर्ग, पंकज हर्ष श्रीवास्तव व्यवस्थापक, गायत्री शक्तिपीठ दमोह वासुदेव पटेल, भूपेंद्र तिवारी,हटा तहसील से जयप्रकाश नेमा तेंदूखेड़ा से रामकुमार राय पटेरा से वीरेंद्र दुबे पथरिया से राजेंद्र श्रीवास्तव ,एल पी तिवारी जबेरा से सुमन उपाध्याय बटियागढ़ से गोविंद पटेल, आई पी चौरसिया सहित अनेक भाई बहिनो की उपस्थिति रही। जिला समन्वयक बी पी गर्ग ने कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रदर्शन भी किया । सामूहिक भोज के उपरांत शांति पाठ के साथ जिला स्तरीय बैठक का समापन हुआ।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस के उपलक्ष्य में यह झंडा लें और इन परिवारों की बेहतरी में अपना योगदान दें

झंडा दिवस मना के जो राशि मिलती है वह उन अमर जवानों, अमर शहीदों के परिवार की बेहतरी के लिये, उनके कल्याण के लिये उपयोग की जाती है-कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले के नागरिकों से कहा है प्रतिवर्ष 07 दिसंबर को सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया जाता है और झंडा दिवस मना करके जो राशि मिलती है, उस राशि का उपयोग उन अमर जवानों, उन अमर शहीदों के परिवारों की बेहतरी के लिए, उनके कल्याण के लिए किया जाता है। जिन्होंने देश की खातिर अपनी जान कुर्बान कर दी, यह एक झंडा मात्र 10 रूपये में सरकार देती है और दान स्वरूप आप 10 रूपये या इससे ज्यादा जिसकी जैसी इच्छा और श्रद्धा हो, वैसा आप आगे बढ़कर के दान कर सकते हैं। कलेक्टर ने सभी से आग्रह करते हुये कहा इस देशभक्ति के काम में जनमानस अधिक से अधिक योगदान दें। हमारे देश के वीर जवानों, वीर सपूतों के परिवारों के कल्याण के

लिए, भूतपूर्व सैनिकों के परिवारों के लिए, अपंग सैनिकों के लिए और सैनिकों की जो कल्याणी बहनें हैं, उनके लिये इस पैसे का उपयोग किया जाता है। यह बहुत पावन और पवित्र काम में पैसा उपयोग होता है और जो लोग देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर देते हैं, उनके परिवारों की खातिर उपयोग होता है। उन्होंने पुनः जन सामान्य से और अन्य सभी से आग्रह करते हुये कहा अपनी इच्छा शक्ति, सामर्थ्य, श्रद्धा के अनुसार सशस्त्र सेना झंडा दिवस के उपलक्ष्य में, यह झंडा लें और इन परिवारों की बेहतरी में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा यह राशि आयकर से मुक्त है, आप जो भी दान देंगे वो आयकर से मुक्त है और इसके लिए बैंक खाते का नंबर भी दिया जा रहा हैं और एक क्यू.आर. कोड भी बनाया गया है। जो लोग डिजिटल पेमेंट का उपयोग करते हैं वे क्यू.आर. कोड के जरिए भी पैसा ट्रांसफर कर सकते हैं। 10 रूपये या 10 रूपये से अधिक भी दान करना चाहें, कर सकते हैं। कलेक्टर श्री कोचर ने इसमें अधिक से अधिक बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया है।

सशस्त्र सेना झंडा फंड में दान की गई राशि आयकर धार 80ष्ट.ष्ट. के अनुसार कर मुक्त है। सशस्त्र सेना झंडा दिवस फंड में राशि दान करने हेतु क्यू.आर.कोड या आई.डी.बी.आई. बैंक दमोह में सचिव ए.एस.एफ. फैड कटनी के खाता क्रमांक 0225104000107020 में भी जमा कर सकते हैं। एक लाख से ज्यादा राशि का योगदान करने वाले व्यक्ति या संस्था को राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया जाता है।

शासन के निर्देशों की अवहेलना के खिलाफ कटनी जिले में शिक्षकों का धरना

क्रमोन्नति लाभ की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले में पात्र शिक्षकों को क्रमोन्नति लाभ से वंचित किये जाने सम्बंधित कलेक्ट्रेट कार्यलय के बाहर सैकडो पात्र शिक्षक एक दिवशीय सांकेतिक प्रदर्शन करते हुए कटनी डी.ओ. कटनी कलेक्टर जिला पंचायत शिक्षा उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा को ज्ञापन सोपा है। कटनी जिले में पात्र शिक्षकों को क्रमोन्नति लाभ से वंचित किये जाने सम्बंधित कलेक्ट्रेट कार्यलय के बाहर पात्र शिक्षक एक दिवशीय सांकेतिक प्रदर्शन धरने पर बैठे रहे और उन्होंने बताया की शासन के निर्देशानुसार राज्य शिक्षा सेवा में नियुक्त शिक्षकों प्रथम एवं

द्वितीय क्रमोन्नति की कार्यवाही प्रचलन में है। प्रचलित प्रक्रिया में शासन के स्पष्ट निर्देशों के वाबजूद भी कटनी जिले में जारी प्रथम क्रमोन्नति आदेश में पात्र शिक्षकों को क्रमोन्नति लाभ से वंचित किया गया है जो शासन के आदेश एवं निर्देशों की अवहेलना है। शासन के आदेशों की वास्तविक व्याख्या को संज्ञान में लेते हुए आवश्यक कार्यवाही कराते हुए क्रमोन्नति पात्र शिक्षकों को लाभ दिया जाए। वही गुरुजी संवर्ग में नियुक्त शिक्षकों के संबंध में म. प्र. शिक्षा विभाग, भोपाल के आदेश में स्पष्ट उल्लेखित है कि गुरूजी की सेवा गणना पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने के 17/09/2008 की जगह आदेश जारी दिनाक 27/08/2010 है जो कि गलत है। सही संविदा नियुक्ति 17/09/2008 है एवं द्वितीय परीक्षा में संविदा 22/10/2011 की जगह 27/09/2012 डाली गई है जो कि गलत है। इन मांगों के अलावा अतिरिक्त मांगो को लेकर कटनी जिले में क्रमोन्नति में आने वाले पात्र शिक्षक एक दिवसी धरने पर बैठ जोरदार प्रदर्शन किया वही और कटनी डी.ओ. कटनी कलेक्टर जिला पंचायत शिक्षा उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा को ज्ञापन सोपा है।

पुलिस टीम ने अब्दुल वहीद हत्याकांड का खुलासा करते हुए एक हत्यारोपी को किया गिरफ्तार

गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे/निशानदेही पर मृतक के ई-रिक्शा की बैटरी, मृतक के कपड़े/आधार कार्ड व बैंक पास बुक हुई बरामद

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, सहारनपुर जनपद की थाना कोतवाली देहात पुलिस टीम ने आज अब्दुल वहीद हत्याकांड का खुलासा करते हुए एक हत्यारोपी अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे/निशानदेही पर मृतक के ई-रिक्शा की बैटरी, मृतक के कपड़े/आधार कार्ड व बैंक पास बुक बरामद हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहारनपुर जनपद के थाना देहात कोतवाली प्रभारी चन्द्रसेन सैनी ने अपनी पुलिस टीम के सहयोग से अब्दुल वहीद हत्याकांड का खुलासा करते हुए हत्या की वारदात को अंजाम देने वाला शाजेब उर्फ शाहजेब को गांव मढ़ के पास स्थित ढमोला नदी की पुलिया से काफी मशक्कत के बाद गिरफ़्तार किया है। एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने पत्रकारों के समक्ष आज उक्त हत्याकांड का खुलासा किया है। बता दे कि बीते

कुछ माह पूर्व ई-रिक्शा चालक की गमछे से गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी।थाना देहात कोतवाली प्रभारी चन्द्रसेन सैनी ने अपनी पुलिस टीम के सहयोग से उक्त हत्याकांड का आज खुलासा करते हुए हत्या की वारदात को अंजाम देने वाला शाजेब उर्फ शाहजेब को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार हत्याभियुक्त की निशानदेही पर मृतक की ई-रिक्शा की बैटरी,आधार कार्ड,बैंक की पासबुक एवम मृतक के इस्तेमाली गर्म कपड़े

बरामद किए गए है।बता दें,कि ग्राम दुधली बुखारा निवासी श्रीमति गुलशाना ने दिसम्बर माह 2023 में थाना देहात कोतवाली पंहुचकर अपने पति अब्दुल वहीद के गुम होने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने अब्दुल वहीद की तलाश की परंतु वह नहीं मिला। जबकि जनवरी 2024 को अब्दुल वहीद का शव गांव मढ़ के पास एक बाग से बरामद हुआ था,पुलिस भी इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने मे लगी रही,परंतु हत्यारों का कोई भी सुराग पुलिस के हाथ नहीं लगा था। इंस्पेक्टर चन्द्रसेन सैनी को आज सूचना मिली थी कि इस हत्याकांड का मुख्य अभियुक्त गांव मढ़ के पास स्थित ढमोला नदी की पुलिया के पास छुपा बैठा है। इंस्पेक्टर चन्द्रसेन सैनी तत्काल अपनी टीम के वरिष्ठ उपनिरीक्षक सुनील कुमार, हेड कांस्टेबल विवेक कुमार, कपिल राणा एवं कांस्टेबल अमित कुमार के साथ ढमोला नदी के पास पंहुचे तो उक्त हत्यारा पुलिस टीम को देखते ही ढमोला पुलिया की और भागने लगा,जिसका पीछा करते हुए पुलिस टीम ने ढमौला पुलिया पर इस हत्यारे की चारों और से घेराबंदी कर पकड़ लिया।पकड़े गए हत्याभियुक्त शाजेब उर्फ शाहजेब पुत्र सुलेमान निवासी ग्राम रसूलपुर से जब पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की,तो उसने अब्दुल वहीद हत्याकांड का खुलासा कर दिया। बताया कि शराब पिलाकर उसने अपने एक साथी की मदद से जो जेल में बंद है अब्दुल वहीद की गमछे से गला दबाकर हत्या कर दी थी और शव को एक गांव मढ़ के पास एक बाग में फेंककर फरार हो गए थे।

कैम्प आयोजित कर ई-केवायसी कार्य में तेजी लाये -कलेक्टर मित्तल

बुरहानपुर- निकाय अंतर्गत जहां ई-केवायसी की प्रगति कम है। वहां विशेष ध्यान देकर कार्य में तेजी लायी जाये। अधिकारी संबंधित क्षेत्रान्तर्गत भ्रमण करें एवं कार्यो की समीक्षा करें। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने निर्देशित किया कि, ई-केवायसी कार्य में लापरवाही बरतने पर संबंधित के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।लेख है कि आज समय-सीमा की बैठक संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर सुश्री मित्तल ने कहा कि, मिशन मोड के रूप में ई-केवायसी कार्य किया जाये। उन्होंने निर्देशित किया कि, कैम्प आयोजित कर प्रगति लायी जाये। बैठक में तहसीलवार नक्शा तरमीम की प्रोग्रेस का जायजा लिया गया। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये कि, सभी अपने लक्ष्यों को शीघ्रता से पूर्ण करना सुनिश्चित करें। विभागीय अधिकारियों को सीएम हेल्पलाईन पर गंभीरता से कार्य करने के निर्देश भी दिये गये। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी व समय-सीमा पत्रकों की समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सृष्टि देशमुख, अपर कलेक्टर श्री वीरसिंह चौहान सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।कैम्प आयोजित निर्देशानुसार 31 अगस्त दिन शनिवार को प्रातः 8 बजे से चिन्हित स्थलों पर ई-केवायसी हेतु कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। ग्राम सिरपुर, हसीनाबाद, ताजनापुर, तुकईथड़, पिपरीबोरवन, बिजौरी, धुलकोट, सीवल, हैदरपुर, सारोला, घाघरला, हरदा, टिटगांवकला, अम्बाड़ा, ईटारिया, चापोरा, फोफनारकलां, खामनी, बंभाड़ा, पीपलगांव रै. जैनाबाद, दापोरा, बख्खारी, ईच्छापुर, पिपरी रै., भावसा, बड़झिरी, नाचनखेड़ा, खड़कोद, मोहद, अड़गांव, तुरकगुराड़ा, डोंगरगांव, संग्रामपुर, एमागिर्द, हमीदपुरा, बहादरपुर, मोहम्मदपुरा, पांतोडा, लोनी, बिरोदा इत्यादि चिन्हित स्थलों पर शिविर आयोजित रहेगे।

रेत माफिया ने ठेका कंपनी कर्मचारियों को पीटा, 5 गंभीर 6 घायल

उधर विधायक के साले पर तानी राइफल, बेदम हुई धुनाई

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, जिले में रेत माफिया हो या भूमाफिया जिला प्रशासन के हीलाहवाली वाली कार्यवाही के चलते मिली माफियाओ को शह है और जिसकी बदौलत आज जिले की कानून ब्यवस्था तारतार हो रही है, जबकि यह वही जिला जहा अभी साल भर नहीं बीता है जिले में दो - दो सरकारी अफसरों की हत्या कर दी गई, बावजूद कानून का खौफ पुलिस अपराधियों माफियाओ पर नहीं बना पाई, वो अब सिंडिकेट गिरोह बनाकर जिले में दहशतगर्दी फैला रहे है, हाल यह है की अब तो लोगों का भी कहना है कि पुलिस की मिली भगत से यह सारा काला कारोबार चल रहा है। अब ब्यौहारी विधायक के साले पर रेत माफियो ने जानलेवा हमला कर युवक को बेरहमी से पीट दिया, तो आम जनता की क्या बकत, हालही में भूमाफिया सुभम, अभिषेक सहित 4 - 5 लोगो ने जिले के वरिष्ठ पत्रकार पर इस लिए राइफल तानी की माफिया का समाचार लिखता है यह वारदात भी थाना कोतवाली से महज चंद मिनट की दूरी की है लेकिन आरोपी खुले आम घूमते है और वारदात को अंजाम देते है द्य अगर समय रहते पुलिस प्रशासन नींद से नहीं जाएगा तो जिला मुख्यालय में ही माफिया खूनी खेल कहते हुए न जाने किसको मौत के घाट उतार देंगे।

केस नंबर 1

जिले में गुरूवार एक बार फिर देवलौंद थाना क्षेत्र अंतर्गत खूनी खेल खेला गया द्य इस बार माफियाओ ने सुखाड़ गांव में रेत ठेकेदार मेसर्स सहकार ग्लोबल कम्पनी के कर्मचारियों के साथ बदमाशों ने मारपीट की है। सुखाड़ गांव में चेक पोस्ट रेत कंपनी के द्वारा बनाया गया है, जहां कई वाहनों में भरकर 30 -35 बदमाश पहुंचे और कंपनी के कर्मचारियों से जबरन हफ्ता महीना पैसे की मांग करने लगे, जब रेत कंपनी के कर्मचारियों ने पैसे देने से मना किया तो चेक पोस्ट में तोड़फोड़ की एवं कंपनी के वाहनों में भी तोड़फोड़ कर दी, कर्मचारियों ने इसका विरोध किया तो सुनियोजित तरीके से ठेका कम्पनी कर्मचारियों अधमरा तक मारपीट करते हुए बदमाश फरार हो गए । पुलिस को मामले की जानकारी दी गई जानकारी लगने के बाद थाना प्रभारी अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंचे, रेत ठेका कम्पनी के जीएम विपुल ने हमलावरों की नामजद शिकायत देवलोद थाने में की हैं. जिनमे प्रांजल वैश्य निवासी बुढ़वा, विवेक वैश्य निवासी बुढ़वा, प्रदीप वैश्य निवासी बुढ़वा, नीरज द्विवेदी निवासी बुढ़वा, नीरज कुकू, विक्कु उर्फ़ अंकुर निवासी सतनी, छोटू सिंह निवासी सतनी, पिंटू सिंह निवासी सतनी, अवरेश सिंह गहरवार, बिरजेन्द्र वैश्य, रिशु सिंह, मृगेंद्र सिंह के साथ अन्य लगभग 30 अन्य लोग और जो बुढ़वा और सतनी के निवासी के शामिल थे द्य

वही घायलों में मेसर्स सहकार ग्लोबल कम्पनी के महेंद्र सिंह जादौन पिता नरेंद्र सिंह, जीतेन्द्र सिंह राजावत पिता बुद्धसेन, जीतेन्द्र कुमार मिश्रा पिता राम मुनि मिश्रा, रविंद्र तिवारी पिता राम कृपाल तिवारी, सचिन सिंह पिता भूपेंद्र सिंह है जिनको मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है ।

केस नंबर 2

पिट गया विधायक का साल.....

ब्योहारी थाना क्षेत्र मे रेत माफियाओ द्वारा क्षेत्रीय विधायक के साले के साथ जमकर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया हैं। घटना के बाद इसकी शिकायत पीड़ित द्वारा थाना ब्योहारी थाने मे दर्ज कराई गयीं हैं। वहीं इस घटना के बाद यह बात भी सामने आ रही हैं कि ब्योहारी थाना क्षेत्र मे यह अवैध कारोबार पुलिस की मिली भगत से चल रहा हैं। इस संबंध मे प्राप्त जानकारी के मुताबिक हमले में घायल क्षेत्रीय विधायक शरद कोल का साला प्रदीप कोल पिता बैजनाथ कोल 28 वर्ष, रसपुर थाना ब्योहारी है मामले में विवाद की दो वजह सामने आई है जिसमे रास्ता को लेकर उपजा विविड तो वही ज्यादातर लोगो का कहना है रेत परिवहन को लेकर उनके साथ अन्य ग्रामीणों द्वारा आरोपी योगेंश चतुर्वेदी, पवन सिंह, मुकेस चतुर्वेदी, सत्यम चतुर्वेदी रेत माफियो को यह कहा गया कि उनके द्वारा हमारे गाँव से दिनों रात रेत से लदे वाहन को लेकर जाया जाता हैं, जिस कारण हमारे गाँव की सड़क खराब होती जा रही हैं। इसी बात को लेकर रेत माफियाओ द्वारा ग्रामीणों के ऊपर हमला करने के लिए बन्दूक निकाल ली गयी। जिसे देख कई ग्रामीण भाग गए, जबकि विधायक के साले प्रदीप को माफियाओ ने पकड़ लिया और उसके साथ जमकर मारपीट की। जिससे प्रदीप को गंभीर

चोट पहुंची है उपचार के लिए उसे अस्पताल लाया गया है। घटना के बाद चारो आरोपियों के विरुद्ध पुलिस ने विभिन्न धाराओं पर मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

केस नंबर 3

रेत माफिया ने सरपंच से की बदसलूकी....

कोतवाली थाना क्षेत्र के कल्याणपुर कोयलारी मुड़ना नदी से दिनदहाड़े अवैध रुप से रेत निकल जा रही थी, जिसका विरोध गांव की सरपंच कमलेश्वरी धुर्वे ने किया तो रेत निकाल रहे लोगों के द्वारा सरपंच के साथ बदसुलूकी की गई है। जिसका वीडियो भी अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, सरपंच ने गांव की नदी से अवैध रेत निकालने को लेकर माफियाओं को मना किया लेकिन सरपंच की बात नहीं मानी गई,इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ और तीखी नोंक झोंक हुई है। सरपंच ने मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस को दी है पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

केस नंबर 4

रेत माफिया ने की थी पटवारी की हत्या

जिले में माफिया का आतंक इतना जायदा बढ़ गया है कि सोन की सुनहरी रेत की खातिर खूनी खेल खेलने से बाज नहीं आ रहे है पिछले साल 25 नवंबर को शहडोल जिले के ब्यौहारी तहसील में रेत माफिया ने हत्या कर दी थी। राजस्व विभाग के पटवारी 40 वर्षीय प्रसन्न सिंह की कथित तौर पर तत्कालीन कलेक्टर के मौखिक आदेश पर आधी रात खनन देखने गए थे द्य अब 38 साल की गुंजा सिंह पटवारी की विधवा हैं, आज हाई कोर्ट में इंसाफ की जंग लड़ रही है हालही में

हाईकोर्ट ने रवि प्रकाश कोल एसडीओपी को मामले फटकार लगाई थी द्य लेकिन एसडीओपी आज भी माफिया को काबू करने में फेल है द्य गौरतलब होकि अवैध खनन रोकने गए पटवारी प्रसन्न सिंह बघेल रिटायर्ड फौजी थे। 2018 में फौज की नौकरी से रिटायर होकर पटवारी बने थे। तब से शहडोल जिले में ही पोस्टेड थे। अपने घर के इकलौते चिराग थे। शुरुआती 24 घंटे में कलेक्टर वंदना वैद्य और एसपी कुमार प्रतीक घटनास्थल पर नहीं पहुंचे तो उन पर भी सवाल उठे थे।

केस नंबर 5

दरोगा को ट्रेक्टर से कुचला....

इसी साल मई में माफिया ने रेत के खेल में बड़ी वरदातको अंजाम दिया द्य ब्यौहारी थाना क्षेत्र के बड़ौली गांव में अवैध रेत खनन किया जा रहा है मिली जानकारी के बाद कुछ पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे. वहां, रेत से भरे ट्रैक्टर को रोकने के लिए महेंद्र बागरी ने इशारा किया, लेकिन उनके कहने पर भी ड्राइवर ने ट्रैक्टर नहीं रोका. चालक ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली महेंद्र बागरी पर चढ़ा दी. कुचले जाने से महेंद्र ने मौके पर ही दम तोड़ दिया और उन्हें कुचल कर चालक ट्रैक्टर ले कर फरार हो गया द्य इस मामले में सीएम से परिजनों को एक करोड़ की राहत राशि मिली लेकिन एएसआई वापस नहीं आ सकता द्य

प्रतिक्रिया

हमारे कर्मचारी चेक पोस्ट में थे, पहले पैसे मांगे फिर फायर किया जब हम सभी जुटे तो अचानक 4 बोलेरो, काले और लाल रंग दो स्कार्पियो में 30 - 35 लोगो ने हमला कर दिया हमारे 5 कर्मचारी बेहद गंभीर स्थिति में है 6 सामान्य घायल है द्य हमने थाने में अवैध खनन को लेकर माफियाओ की शिकायत कई बार की है।

विपुल दुबे, जीएम, मेसर्स सहकार ग्लोबल (रेत ठेका कम्पनी, शहडोल)

प्रशासनिक प्रतिक्रिया.....

घटना में रेत कंपनी के कर्मचारी घायल हुए हैं, पांच लोगों को चोट पहुंची है, कुछ लोगो का उपचार शहडोल में चल रहा है शिकायत की जांच की जा रही है बदमाशों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर दिया जाएगा।

डीके दहिया, थाना प्रभारी (थाना देवलोंद, शहडोल)

रसपुर गांव में विवाद हुआ है, ट्रैक्टर निकलने की वजह से सड़क पर गड्ढे हो गए थे जिसका लोग विरोध कर रहे थे, इसी बात को लेकर आरोपियों ने मारपीट की है.चारो आरोपीयों की गिरफ्तारी कर आगे की विवेचना की जा रही है।

अरुण पांडे, थाना प्रभारी (थाना ब्योहारी, शहडोल)

हमारे बने चेक पोस्ट पर अवैध परिवहन खनन की पकड़ होती है, इस बात से नाराज रेत के अवैध कारोबारियों ने हमला कर दिया है, घायल कर्मचारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती है ।

प्रभात पट्टा, प्रभारी माइनिंग अफसर (शहडोल)

रेत ठेका कंपनी के वाहनों में तोड़फोड़, मारपीट की शिकायत आई है लेकिन मामले में कोई फायरिंग और लूट नहीं हुई है, ठेकेदार बढ़ाचढ़ाकर बता रहे है जांच की जा रही है, वारदात को अंजाम देने वालो में से अभी दो लोगो को गिरफ्तार किया गया है आगे की कार्यवाही जारी है।

कुमार प्रतीक, पुलिस अधीक्षक (शहडोल)

सिद्धपीठ श्री मण्केश्वर महादेव मंदिर के सौंदर्यीकरण हेतु पर्यटन विभाग से 12 करोड़ 17 लाख 62 हजार रुपये मंजूर

राज्यमंत्री ने गांव मानकी पहुंच भूमि पूजन और कार्य का शुभारंभ किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद नगर के ऐतिहासिक सिद्धपीठ श्री मण्केश्वर महादेव मंदिर के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने मंदिर के सौंदर्यीकरण हेतु पर्यटन विभाग से 12 करोड़ 17 लाख 62 हजार रुपये की मंजूरी दी है। राज्यमंत्री बृजेश सिंह ने गांव मानकी पहुंचकर भूमि पूजन और कार्य का शुभारंभ किया। भूमि पूजन कार्यक्रम में राज्यमंत्री बृजेश सिंह ने बताया कि उक्त धनराशि से मंदिर के सौंदर्यीकरण के साथ ही एक सरोवर और श्रद्धालुओं के लिए दो हाल एवं शौचालयों का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि जहां पिछले कार्यकाल में पर्यटन विभाग से गांव मिरगपुर स्थित सिद्धपीठ बाबा फकीरा दास की तपोस्थली में 50 लाख रुपये से

अधिक का कार्य कराया गया था। वहीं, अब देवबंद विधानसभा क्षेत्र में राधा नवरंगी लाल की तपोस्थली राधा वल्लभ मंदिर में छह करोड़ रुपये से मंदिर का सौंदर्यीकरण और जड़ौदा पांडा में स्वामी नारायण दास की तपोस्थली पर नौ करोड़ रुपये से सौंदर्यीकरण और जीर्णोद्धार का कार्य कराया जाएगा। इन तीनों योजनाओं में कुल 28 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख चौ. परविंदर, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विजय त्यागी, अर्जुन प्रधान मिरगपुर, नेत्रपाल प्रधान, डा. अजीत सिंह, विजेंद्र सिंह, पदम सिंह, मास्टर यशपाल, मास्टर कुंवरपाल सिंह आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

मीटिंग में दिए गए निर्देशों का उपायुक्त उद्योग करें

निरंतर फॉलोअप :- जिलाधिकारी मनीष बंसल

समय सीमा के अंदर करें प्रकरण का निस्तारण :-जिलाधिकारी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिला उद्योग बंधु की बैठक आयोजित की गई। जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक के दौरान जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों का समय सीमा के अंदर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिए कि बैठक में दिए गए निर्देशों का निरंतर फॉलोअप करें। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग से प्रत्येक सप्ताह वार्ता की जाए। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि निर्धारित समयसीमा में उद्यमियों की समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक में पारित निर्णयों का समय से अनुपालन सुनिश्चित करें। दिल्ली रोड स्थित छिदबना रोड

पर इकाइयों से निकलने वाले गंदे पानी की निकासी हेतु जिला पंचायत को निर्देश दिए गए कि एक सप्ताह के अंदर नाले की सफाई कराकर पानी की उचित निकासी सुनिश्चित की जाए। जिला पंचायत द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल एक करोड़ तक की लागत के कार्यों को कराने की सहमति बनी। मै0 गौरी इंटरप्राइजेज ग्राम कुम्हारहेड़ा देहरादून रोड पर पानी की निकासी हेतु नाली निर्माण के प्रकरण पर जिलाधिकारी ने कहा कि उनके द्वारा एक सप्ताह के अंदर स्वयं विजिट किया जाएगा। मै0 अमरगंगा एग्रो फूड्स प्राइवेट लि0, छजपुरा, देहरादून रोड के मुख्य गेट के बाहर पानी निकासी के लिए निर्माणाधीन नाला को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। मै0 जीत पोल्ट्री फार्म छजपुरा रोड तक जलभराव की समस्या से निजात के लिए सड़क की मरम्मत और साफ सफाई करने के निर्देश दिए। कामधेनु औद्योगिक क्षेत्र में जनता रोड से पराग डेरी के बराबर वाली सड़क के शेष कार्य को 01 सप्ताह में पूर्ण करने के निर्देश नगर निगम को दिए। उन्होंने कहा कि अगर निर्धारित समय में कार्य पूर्ण नहीं हुआ तो ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने की कार्यवाही की जाए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर रोहित सिंह सजवान ने कहा कि उद्योग बंधुओं के पुलिस संबंधी प्रकरणों को प्राथमिकता से निस्तारित कराया जाएगा। इस अवसर पर डीएफओ श्वेता सैन, डीसी डीआईसी वीके कौशल, उद्यमीगण अनूप खन्ना, रविन्द्र मिगलानी, अनुपम गुप्ता सहित अन्य उद्यमी और विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

शहीद भगत सिंह जी के स्मृति स्थल फूलवारी आश्रम के सौंदर्यीकरण कार्य के लिए हुआ भूमि पूजन

नगर विधायक राजीव गुम्बर के प्रयासों से संरक्षित और सुंदर होगा ऐतिहासिक स्थल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनुपर, अमर शहीद भगत सिंह जी के स्मृति स्थल फूलवारी आश्रम के सौंदर्यीकरण एवं भूमि पूजन समारोह नगर विधायक राजीव गुम्बर, महापौर डॉ0 अजय सिंह, जिलाधिकारी मनीष बंसल की उपस्थित में हुआ। नगर विधायक राजीव गुम्बर ने कहा कि फूलवारी आश्रम के सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार का कार्य किसी एक व्यक्ति विशेष द्वारा नहीं किया जा रहा है। यह माननीय प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री जी की उस सोच के तहत यह कार्य हो रहा है कि हमारा देश अपनी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को भूलने न पाए। हम सब रहें या न रहें लेकिन अमर शहीदों की याद प्रत्येक व्यक्ति के मन में रहनी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए

कहा कि उन्होने इस प्रदेश के अंदर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को बढावा देने के लिए धनराशि की व्यवस्था की है। उन्होंने पर्यटन विभाग के मंत्री जयवीर सिंह को प्रोजेक्ट की स्वीकृति एवं धनराशि की व्यवस्था करने के लिए धन्यवाद दिया। यह देशभक्ति का काम है अपने उन शहीदों को नमन करने का काम है जिन्होने आज खुली हवा में हमें सांस लेने का मौका दिया। विधायक राजीव गुम्बर ने कहा कि फुलवारी आश्रम शहीद भगत सिंह की कर्म स्थली है। शहीद भगत सिंह ने स्वतंत्रता आंदोलन को बढाने के साथ ही देश को संदेश दिया जिसकी बदौलत भारत आजाद हो पाया। उन्होंने शहीद भगत सिंह की माता, पिता और चाचा को भी नमन किया। उनके चाचा ने पंजाब के अंदर एक अलख जगाने का कार्य किया था। महापौर डॉ0 अजय सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सदस्यों को नमन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दी गयी पंच प्रण की प्रतिज्ञा में अपना सर्वोच्च समर्पण करने वालों का सम्मान भी शामिल है। आजादी के समय बहुत से युवाओं ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया जिसके कारण आज हम आजादी की हवा में सांस ले रहे है। उन्होने लोहा बाजार में स्थित वृक्ष जिस पर अनेक लोगों को फांसी लगाई गयी थी को स्मारक के रूप में विकसित करने की बात कही। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि सहारनपुर की ऐतिहासिक धरोहर के जीर्णोद्धार के लिए मुख्यमंत्री द्वारा योजना स्वीकृत की गयी है। उन्होंने कहा कि प्रचीन इतिहास से लेकर वर्तमान इतिहास तक सहारनपुर के विकास के साथ-साथ फुलवारी आश्रम का महत्वपूर्ण स्थान है। यह आश्रम जनप्रतिनिधियों के सहयोग से एक नया रूप लेने जा रहा है। उन्होने कहा कि बहुत ही शीघ्रता से इस प्रोजेक्ट का गुणवत्तापूर्ण निर्माण किया जाएगा। उन्होने आस-पास के सभी लोगों से इसके निर्माण में तथा निर्माण के बाद इसके रख-रखाव में अपना पूर्ण सहयोग देने की अपील की ।जीर्णोद्धार के तहत मुख्य प्रवेश द्वार, एडमिन, डिजिटल गैलरी और कैफेटेरिया ब्लॉक, कुंड शैली चरणबद्ध बैठक, टीले, घाट, सार्वजनिक स्वच्छता ब्लॉक, पर्यटक आश्रय, कॉर्टन स्टील भित्ति दीवारें, खुले समागम क्षेत्र के लिए मंच, खुला व्याख्या क्षेत्र, पर्यटक परिसर का सौंदर्यीकरण, ओपन जिम और आंतरिक रास्तों का सौन्दर्यकरण किया जाएगा। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष पुनीत त्यागी, शहीद भगत सिंह के भतीजे किरणजीत सिंह, राकेश जैन, जयनाथ शर्मा, के एल अरोड़ा, सरदार बलबीर सिंह धीर, अनूप खन्ना, मुकेश दीक्षित, अनेश शर्मा, गोकरनदत्त शर्मा, सरदार सुपनीत सिंह, शैलेंद्र भूषण, जसपाल बत्रा, सर्वेष्ठ गुप्ता, स्वतंत्रता सेनानी परिवारों के सदस्य उपस्थित रहे।

लोन चुकाने के बावजूद बस नहीं लौटाने पर सुप्रीम कोर्ट ने की सख्त टिप्पणी

गुंडों का समूह हैं बैंक के वसूली एजेंट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक बैंक की वसूली एजेंट फर्म को 'गुंडों का समूह' करार दिया। कोर्ट ने कहा कि बैंक की इस वसूली फर्म ने लोन राशि का एकमुश्त निपटान करने के बावजूद एक व्यक्ति से जब्त किया गया वाहन उसे वापस नहीं किया। न्यायालय ने पश्चिम बंगाल पुलिस को दो महीने के भीतर कंपनी के खिलाफ आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने देबाशीष बोसु रॉय चौधरी नामक व्यक्ति को मुआवजा देने का भी निर्देश दिया। पीठ ने बैंक ऑफ इंडिया को वसूली एजेंट से यह राशि वसूलने का निर्देश दिया। देबाशीष ने कोलकाता में बस चलाने के लिए बैंक से 15.15 लाख रुपये का लोन लिया था। पीठ ने अपने हालिया आदेश में कहा, उच्च न्यायालय द्वारा की गई टिप्पणियों और याचिकाकताओं की दलील को देखते हुए, हमें ऐसा प्रतीत हो रहा है कि वसूली एजेंट असल में गुंडों का एक समूह है, जो याचिकाकर्ता-बैंक की ओर से लोन लेने वालों को परेशान करने के लिए अपने बाहुबल का इस्तेमाल करता है। इस फर्म ने बैंक के निर्देश पर देबाशीष बोसु रॉय चौधरी की बस को जब्त कर लिया था। लेकिन बैंक और चौधरी के बीच समझौता होने के बावजूद बस को सही हालत में वापस नहीं किया गया। बस को ठीक कंडीशन में वापस करने में विफल रहने के लिए रिकवरी एजेंट फर्म मेसर्स सिटी इन्वेस्टिगेशन एंड डिटेक्टिव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। कोर्ट ने कहा, संबंधित क्षेत्र के पुलिस आयुक्त को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाता है कि 5 जुलाई, 2023 को पश्चिम बंगाल के पुलिस स्टेशन सोदपुर में आईपीसी की धारा 406, 420 और 471 के तहत दर्ज प्राथमिकी की जांच बिना किसी देरी के तार्किक निष्कर्ष पर ले जाएं और दो महीने की अवधि के भीतर आरोप पत्र दायर किया जाए। रिकवरी एजेंट फर्म ने बाद में वाहन को खस्ता हालत में लौटाया, जिसमें चेसिस और इंजन नंबर बदल दिए गए थे। पीठ ने कहा, याचिकाकर्ता-बैंक वाहन को हुए नुकसान की भरपाई देबाशीष बोसु रॉय चौधरी को करेगा और वह इसकी राशि रिकवरी एजेंट से वसूल सकती है। पीठ ने निर्देश दिया कि इसके बाद, ट्रायल कोर्ट आरोप पत्र का संज्ञान लेगा और कानून के अनुसार आगे बढ़ेगा। पीठ ने आगे निर्देश दिया, यदि फर्म को वसूली एजेंट के रूप में कार्य करने के लिए किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा कोई लाइसेंस/प्राधिकरण पत्र दिया गया है, तो याचिकाकर्ता-बैंक को उस प्राधिकारी को ऐसी अनुमति/प्राधिकरण पत्र को रद्द करने के संबंध में एक अलग शिकायत करने का निर्देश दिया जाता है। शीर्ष अदालत ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के 16 मई के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें बैंक को निर्देश दिया गया था कि वह चौधरी को वाहन वापस न करने के अपने आचरण के लिए 5 लाख रुपये का अंतरिम मुआवजा दे। उच्च न्यायालय ने लोन लेने वाले शख्स को अधिक मुआवजे के लिए सिविल न्यायालय में जाने की स्वतंत्रता दी थी। चौधरी ने 15.15 लाख रुपये के लोन के लिए बैंक से संपर्क किया था और उनकी साख की संतुष्टि के बाद, उनका ऋण स्वीकृत कर दिया गया था और दिसंबर 2014 से 26,502 रुपये की 84 समान मासिक किस्तों में ब्याज सहित चुकाया जाना था। संबंधित वाहन (बस) बैंक के पास बंधक था।

बैंक ने दलील दी कि जनवरी 2018 से चौधरी मासिक किस्त का भुगतान नहीं कर पा रहे थे और 31 मई, 2018 को उनके खाते को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति यानी एनपीए घोषित कर दिया गया। एनपीए की तारीख तक ऋण की बकाया राशि 10.23 लाख रुपये थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि बैंक ने मेसर्स सिटी इन्वेस्टिगेशन एंड डिटेक्टिव यानी तथाकथित रिकवरी एजेंट की सेवाएं लीं, जिन्हें बैंक की ओर से चौधरी के वाहन को जब्त करने में सरकारी अधिकारियों द्वारा सहायता प्रदान की गई थी। बैंक ने हाईकोर्ट में दावा किया कि 31 जुलाई 2019 तक वाहन का बाजार मूल्य केवल 2.37 लाख रुपये था और संकटकालीन बिक्री मूल्य केवल 1.66 लाख रुपये था। मार्च 2021 में, चौधरी ने पूरे बकाया के लिए 1.8 लाख रुपये के वन-टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) के लिए बैंक से संपर्क किया। बैंक ने ओटीएस प्रस्ताव को स्वीकार करने के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की, हालांकि यह बकाया राशि का केवल 17.75 प्रतिशत था। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा, बैंक के अधिकारियों को पता था कि बैंक और बोस के बीच 1,80,000 रुपये की मामूली राशि के लिए एकमुश्त समझौता (ओटीएस) किया गया था। उक्त राशि बोस द्वारा बैंक में जमा की गई थी। न्यायालय ने कहा कि वाहन को बोस को नहीं सौंपा गया, जबकि बैंक ओटीएस स्वीकार करने के बाद ऐसा करने के लिए बाध्य था। पीठ ने कहा, बहुत प्रयासों के बाद वाहन/बस बरामद कर ली गई, लेकिन उस समय तक इसका चेसिस नंबर और इंजन नंबर बदल दिया गया था और कुछ स्पेयर पार्ट्स भी निकाल लिए गए थे। साथ ही, वाहन चालू हालत में भी नहीं था।

स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से ग्रस्त होने के बाद भी पोप फ्रांसिस ने दिखाया जज्बा, 12 दिवसीय यात्रा पर जाएंगे इंडोनेशिया, पापुआ न्यू गिनी, ईस्ट तिमोर और सिंगापुर जाएंगे

87 की उम्र में करेंगे 32 हजार किलोमीटर का सफर

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस अगले हफ्ते कुछ ऐसा करने वाले हैं, जिसे बेहद मुश्किल माना जा रहा है। दरअसल पोप फ्रांसिस 87 साल की उम्र में 12 दिनों में 43 घंटे की हवाई यात्रा करेंगे और इस दौरान वह करीब 32 हजार किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। पोप फ्रांसिस अगले हफ्ते 12 दिवसीय यात्रा पर इंडोनेशिया, पापुआ न्यू गिनी, ईस्ट तिमोर और सिंगापुर जाएंगे। पोप फ्रांसिस बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से ग्रस्त हैं। इसके बावजूद उनके जज्बे की तारीफ हो रही है।

ऐसी चर्चाएं हैं कि पोप फ्रांसिस जल्द ही कैथोलिक चर्च प्रमुख का पद छोड़ सकते हैं। पोप फ्रांसिस की यह यात्रा साल 2020 से प्रस्तावित थी, लेकिन कोविड महामारी के कारण इसे स्थगित करना पड़ा। अब पोप फ्रांसिस के 88वें जन्मदिन से ठीक तीन महीने पहले यह यात्रा हो रही है। ईसाई कैलेंडर के सबसे पवित्र सप्ताह ईस्टर पर, पोप फ्रांसिस ने फ्लू से बीमार होने की वजह से कार्यक्रमों से खुद को अलग कर लिया था। ब्रोंकाइटिस के कारण उन्हें दिसंबर में दुबई में संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता के लिए अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी थी। जून 2023 में, उन्होंने हर्निया की सर्जरी भी करवाई, जिसके कारण उन्हें 10 दिनों के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। ऐसी स्थिति में 87 वर्षीय पोप फ्रांसिस के चार देशों की यात्रा, वहां 16 भाषण और कई बैठकों में हिस्सा लेने को लेकर चिंता भी जताई जा रही है।

पूर्व पोप बेनेडिक्ट शक ने साल 2013 में अपने गिरते शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का हवाला देते पोप का पद छोड़ दिया था। अब ऐसा माना जा रहा है कि पोप फ्रांसिस भी उनकी राह पर चलते हुए पद छोड़ सकते हैं। हाल के वर्षों में पोप की गतिशीलता में स्पष्ट रूप से गिरावट आई है। साल 2022 से वे घुटने के दर्द और बार-बार होने वाले साइटिका या तंत्रिका तंत्र संबंधी दर्द के चलते व्हीलचेयर पर निर्भर हैं। अब फ्रांसिस को अपने विमान में चढ़ने के लिए लिफ्ट का उपयोग करना पड़ता है। वह अब प्रत्येक यात्रा की वापसी उड़ान पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान खड़े होने के बजाय बैठते हैं। वेटिकन ने पोप के स्वास्थ्य के लिए उठाए गए किसी भी एहतियाती कदम, जैसे कि स्थानीय अस्पतालों के साथ किए गए संभावित प्रबंधों के बारे में कोई विवरण नहीं दिया है। साल 2023 की शुरूआत में फ्रांसिस की अफ्रीका यात्रा के दौरान, एक पूरी तरह से सुसज्जित आधुनिक एम्बुलेंस हर जगह पोप के साथ चलती थी ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

48 साल बाद अगस्त में अरब सागर में बनने वाला पहला तूफान

बाढ़ और बारिश से जूझ रहे गुजरात पर अब चक्रवात असना का खतरा

नई दिल्ली। बाढ़ और बारिश से जूझ रहे गुजरात पर अब चक्रवात असना का खतरा मंडरा रहा है। इससे कच्छ और सौराष्ट्र में भारी बारिश की आशंका है। इन क्षेत्रों को रेड अलर्ट पर रखा गया है। साथ ही मछुआरों को अगले कुछ दिनों तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। गुजरात और उत्तरी महाराष्ट्र के तटों के साथ-साथ समुद्री क्षेत्रों में अगले दो दिनों तक 60-65 किमी प्रति घंटे की तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि सौराष्ट्र और कच्छ के ऊपर बना गहरा दबाव क्षेत्र पश्चिम-दक्षिणपश्चिम की ओर बढ़ने तथा कच्छ और उससे सटे पाकिस्तान के तटों के पास उत्तर-पूर्व अरब सागर के ऊपर उभरने और चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। जब यह चक्रवाती तूफान में तब्दील हो जाएगा तो इसका नाम असना रखा जाएगा। यह नाम पाकिस्तान ने दिया है। 1891 से 2023 तक अगस्त में अरब सागर के ऊपर केवल तीन चक्रवाती तूफान विकसित हुए हैं। मौसम विभाग ने बताया कि यह 1976 के बाद अगस्त में अरब सागर के ऊपर बनने वाला पहला चक्रवाती तूफान होगा। 1976 में चक्रवात ओडिशा में विकसित हुआ था। एक मौसम वैज्ञानिक ने कहा कि अरब सागर में अगस्त के महीने में चक्रवाती तूफानों का आना एक दुर्लभ गतिविधि है। 1944 का चक्रवात भी अरब सागर में उभरने के बाद तीव्र हो गया था। हालांकि बाद में समुद्र के मध्य में कमजोर हो गया था। 1964 में दक्षिण गुजरात तट के पास एक छोटा चक्रवात विकसित हुआ था और तट के पास कमजोर हो गया। इसी प्रकार, बंगाल की खाड़ी में पिछले 132 वर्षों के दौरान अगस्त महीने में कुल 28 ऐसी परिस्थितियां बनी हैं। मौजूदा तूफान के बारे में असामान्य बात यह है कि पिछले कुछ दिनों से इसकी तीव्रता एक समान बनी हुई है। यह उष्णकटिबंधीय तूफान दो प्रतिचक्रवाती तूफानों के बीच फंसा हुआ है एक तिब्बती पठार पर और दूसरा अरब प्रायद्वीप पर। आईएमडी के अनुसार, इस साल 1 जून से 29 अगस्त के बीच सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्रों में 799 मिमी बारिश हुई है, जबकि इसी अवधि में सामान्य 430.6 मिमी बारिश होती है। इस अवधि में सामान्य से 86 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई।

हरियाणा विधानसभा चुनाव : पार्टी के इस फैसले प्रदेश के दर्जनभर से अधिक नेताओं से अरमानों पर फिरा पानी, दूसरे दलों से आने वालों का टूटेगा सपना

दो बार चुनाव हारे और दागियों को टिकट नहीं देगी कांग्रेस

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव में सांसदों को लड़ाने से इनकार करने के बाद कांग्रेस ने एक और बड़ा फैसला लिया है। दो या इससे अधिक बार चुनाव हारने वालों और दागियों को कांग्रेस टिकट नहीं देगी। साथ ही पार्टी में एक साल या इससे कम समय पहले आए नेताओं को भी टिकट नहीं दिया जाएगा। पार्टी पुराने सिपाहियों पर ही दांव खेलने की सोच रही है। हरियाणा प्रभारी दीपक बाबरिया ने इन फैसलों की पुष्टि की है। कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक वीरवार को दूसरे दिन भी दिल्ली में हुई। इसमें प्रदेश के 25 विधानसभा हलकों को लेकर मंथन किया गया। बुधवार को बैठक के पहले दिन कांग्रेस ने किसी भी सांसद अथवा राज्यसभा सदस्य को विधानसभा चुनाव का टिकट देने से इन्कार कर दिया था। अब दो या दो बार से ज्यादा विधानसभा चुनाव हार चुके दावेदारों का पत्ता भी काट दिया गया है। साथ ही जिन नेताओं को कांग्रेस में शामिल हुए एक साल या इससे कम समय हुआ है, उन्हें भी टिकट नहीं दिया जाएगा। कांग्रेस के इस फैसले से भी कई नेताओं की परेशानी बढ़ने वाली है, क्योंकि पिछले एक साल में कांग्रेस में 20 से अधिक पूर्व विधायक शामिल हुए हैं।

एक सीट पर एक नाम भेजने की तैयारी- कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक के दूसरे दिन कमेटी अध्यक्ष अजय माकन और सदस्यों मणिकम टैगोर, जिग्नेश मेवानी और श्रीनिवास बीवी के साथ प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया, प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी भागीदारी की। बैठक में इस बात पर सहमति बनाने के प्रयास चल रहे हैं कि कांग्रेस हाईकमान के पास प्रत्येक सीट के पैनल में एक नाम ही भेजा जाए।

पार्टी ले चुकी नीतिगत फैसला = बाबरिया हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी दीपक बापरिया के मुताबिक पार्टी ने दो बार चुनाव हार चुके नेताओं को टिकट नहीं देने का निर्णय लिया है। यह एक फैक्टर है कि उनका टिकट काटा जा सकता है। तीन बार चुनाव हार चुके और जमानत जब्त करा चुके उम्मीदवारों को टिकट नहीं देने का नीतिगत फैसला हो चुका है। इस बार पार्टी दागी चेहरों को भी चुनावी दंगल से दूर रखने पर गंभीरता से विचार कर रही है। पिछले दिनों आवेदन करने वाले व्यक्तियों से अपने-अपने बूथ की कमेटियों की सूची भी तलब की थी, जिन दावेदारों ने बूथ कमेटियां जमा नहीं कराई हैं, उनके नामों पर कैंची चल सकती है।

भाजपा के टिकट बंटवारे से पहले ही बवाल, बाहरी को मौका देने की संभावना पर कार्यकर्ताओं ने फूंका पुतला- हरियाणा में भाजपा के टिकट बंटवारे से पहले ही बवाल मचने लगा है। रोहतक के पूर्व सांसद अरविंद शर्मा को सोनीपत की गोहाना सीट से टिकट देने की बात सामने आते ही भाजपा वर्करों ने विरोध शुरू कर दिया। शुक्रवार को पूरा चौक पर इकट्?ठा हुए कार्यकर्ताओं ने अरविंद शर्मा का पुतला फूंका। यही नहीं, कुछ नेता विरोध करने के लिए दिल्ली स्थित हरियाणा भाजपा के इंचार्ज केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के घर तक पहुंच गए। उनका कहना है कि गोहाना विधानसभा से लगातार बाहरी प्रत्याशियों को उम्मीदवार बनाने का नाम चल रहा है। इनमें राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, पूर्व सांसद रमेश कौशिक के भाई देवेंद्र कौशिक और पूर्व सांसद अरविंद शर्मा का नाम चर्चा में है। अरविंद शर्मा के अलावा फतेहाबाद की रतिया सीट पर सिरसा की पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल को टिकट देने का भी विरोध हो चुका है। भाजपा वर्करों का कहना है कि बाहरी कैंडिडेट को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया तो इसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

शिवाजी की प्रतिमा ढहने के मामले में संरचना सलाहकार चेतन पाटिल गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची मूर्ति प्रतिमा ढहने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एफआईआर में नामजद संरचनात्मक सलाहकार चेतन पाटिल को कोल्हापुर से गिरफ्तार किया है। कोल्हापुर के पुलिस अधीक्षक महेंद्र पंडित ने शुक्रवार को बताया कि चेतन पाटिल को गुरुवार देर रात हिरासत में लिया गया और आगे की जांच के लिए सिंधुदुर्ग पुलिस को सौंप दिया गया। सिंधुदुर्ग पुलिस के मुताबिक, मामले में चेतन को गिरफ्तार किया गया है। कोल्हापुर निवासी चेतन ने बुधवार को दावा किया था कि वह इस परियोजना के लिए संरचनात्मक सलाहकार नहीं थे।

मराठी समाचार चैनल से बात करते हुए मूर्तिकार जयदीप आप्टे के साथ एफआईआर में नामजद चेतन ने कहा था कि उन्होंने राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के माध्यम से भारतीय नौसेना को मंच का डिजाइन सौंपा था, लेकिन मूर्ति से उनका कोई लेना-देना नहीं है। चेतन ने कहा कि ठाणे स्थित एक कंपनी ने मूर्ति का काम किया। मुझे केवल उस मंच पर काम करने के लिए कहा गया था, जिस पर मूर्ति खड़ी की जा रही थी। तटीय कोंकण के मालवन में सतरहवीं सदी के मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी महाराज की मूर्ति का अनावरण पिछले साल नौसेना दिवस यानी 4 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इसके महज आठ महीने बाद ही 26 अगस्त की दोपहर को यह गिर गई थी। इस घटना को लेकर विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) ने महाराष्ट्र सरकार की तीखी आलोचना की है। वे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। इससे पहले भारतीय नौसेना ने गुरुवार को बयान जारी किया। बयान में कहा गया कि उसने इस सप्ताह महाराष्ट्र के मालवण में ढही शिवाजी की प्रतिमा स्थापित करने की परियोजना की संकल्पना की थी। उसने राज्य सरकार के साथ समन्वय में इसे कार्यान्वित किया था। राज्य सरकार ने इसके लिए बजट भी उपलब्ध कराया था। वह प्रतिमा की मरम्मत करने और जल्द से जल्द उसे फिर से स्थापित करने के लिए सभी कदमों में सहायता करने को प्रतिबद्ध है।

बाढ़ के बीच बंदरों ने पाकिस्तानियों का जीना किया हराम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब में बाढ़ से तबाही के बीच बंदरों ने आतंक मचा रखा है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, 26 अगस्त से राज्य के नरोवाल में 5 जंगली बंदर पहुंचे हैं, जिससे कई इलाकों के लोग दहशत भरे माहौल में रह रहे हैं। ये सभी डर के मारे घर के अंदर ही रहने को मजबूर हैं। इन बंदरों को उस्मानगंज, लोहारन, फारूक गंज और अफजलपुरा जैसे इलाकों में छतों पर छलांग लगाते देखा गया है। ख्वाजा मुहम्मद अरशद और तारिक महमूद स्थानीय निवासी हैं। उन्होंने बताया कि बंदरों के कारण लोग बहुत चिंतित हैं। हमने इन जानवरों को पकड़ने में मदद के लिए वन्यजीव विभाग को कई बार कॉल किया, मगर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय लोगों ने कहा कि जंगली बंदरों के चलते स्थिति बहुत भयावह होती जा रही है। इनके हमले के डर से महिलाएं अपने बच्चों को घर के अंदर ही रख रही हैं। स्थानीय निवासी रिजवान बट ने न्यूज आउटलेट को बताया गया कि बंदरों ने छतों पर रखी वस्तुओं को नुकसान पहुंचाया है। ये हमें काफी हानि पहुंचा रहे हैं। जफरवाल के नजदीकी इलाके में एक निवासी पर बंदर ने हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इन लोगों का मानना है कि ये बंदर रावी नदी और बरसाती नालों में आई बाढ़ के कारण विस्थापित हुए होंगे, क्योंकि नारोवाल शहर के पास तो कोई जंगल ही नहीं हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारी मॉनसूनी बारिश ने चलते बंदर अपने प्राकृतिक आवासों से बाहर निकले हैं। यही वजह है कि कई शहरी क्षेत्रों में अचानक ही इनकी संख्या काफी बढ़ गई है। पाकिस्तान के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश हो रही है। इससे कई जिलों में अचानक बाढ़, शहरों में जलजमाव और भूस्खलन ही घटनाएं हो रही हैं। इस बीच, उत्तर-पश्चिम प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में शुक्रवार सुबह घर के भूस्खलन की चपेट में आने से 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 3 महिलाएं, 6 बच्चे और तीन पुरुष शामिल हैं, जो एक ही परिवार के सदस्य थे। भूस्खलन के समय ये सभी घर में सो रहे थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569